हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 23 अप्रैल 2026

30 को विधानसभा का विशेष सत्र, विपक्ष ने कहा- एक नहीं दो दिन का बुलाएं

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष के खिलाफ लाया जाएगा निंदा प्रस्ताव- साव

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा से पारित नहीं हो पाने पर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने 30 अप्रैल को छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया जा रहा है। विशेष सत्र की जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि सरकार की ओर से 30 अप्रैल को विशेष सत्र आयोजित करने का आग्रह हुआ। विधानसभा अध्यक्ष तय करेंगे कि कितने दिन का सत्र होगा। इधर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, अगर सरकार झूठ को सच साबित करने के लिए सत्र बुला रही है, तो एक दिन के बजाय दो दिन का सत्र बुला ले।

डिप्टी सीएम ने कहा, कांग्रेस और विपक्षी दलों ने आधी आबादी को उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित करने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि उनके अधिकार दिलाने तक संघर्ष जारी रहेगा। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहे जाने पर उप मुख्यमंत्री साव ने कहा, कांग्रेस घटिया और निम्न स्तर की राजनीति कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का इस तरह की भाषा का उपयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों का अपमान है। कांग्रेस अपनी गिरती हुई राजनीति का परिचय दे रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने देश में आतंकवाद, अलगाववाद और नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। ऐसे प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कांग्रेस के राजनीतिक पतन और घटियापन को दर्शाता है। छत्तीसगढ़ में विधानसभा के प्रस्तावित विशेष सत्र को लेकर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने सत्र बुलाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, विधानसभा का विशेष सत्र प्रदेश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाया जाता है, लेकिन इस बार केंद्र के दबाव में केवल निंदा प्रस्ताव पारित कराने के उद्देश्य से सत्र बुलाया जा रहा है। हमने तो गांधी जयंती पर विशेष सत्र बुलाया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार सुना है कि केवल निंदा प्रस्ताव के लिए विशेष सत्र बुलाया जा रहा है।

जनता को गुमराह नहीं किया जा सकता- महंत

डॉ. महंत ने यह भी कहा कि अगर सरकार झूठ को सच साबित करने के लिए सत्र बुला रही है, तो एक दिन के बजाय दो दिन का सत्र बुला ले। उन्होंने कहा, पहले दिन आप निंदा कर लीजिए, गालियां दे दीजिए और दूसरे दिन हमें भी अपनी बात रखने का मौका दीजिए। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि आगामी बंगाल चुनाव को ध्यान में रखते हुए इस पूरे घटनाक्रम को राजनीतिक रूप से भुनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, देश की जनता को इस तरह के राजनीतिक प्रयासों से गुमराह नहीं किया जा सकता।

80 लाख 58 हजार में 71 लाख 72 हजार हितग्राहियों को बांटा गया था खाद्यान्न

मार्च में छूटे 8 लाख हितग्राही अब ले सकेंगे खाद्यान्न, साफ्टवेयर में खोला गया ऑप्शन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में मार्च में एनआईसी अफसरों की लापरवाही तथा साफ्टवेयर अपडेट करने एवं उसमें आई तकनीकी खराबी के कारण 8 लाख कार्ड धारकों को खाद्यान्न से वंचित होना पड़ा था। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत संचालित उचित मूल्य दुकानों के हितग्राहियों से जुड़ी इस खबर को हरिभूमि ने प्राथमिकता से प्रकाशित किया था। इस खबर का असर यह हुआ कि शासन ने अब बचे हुए कार्ड धारकों को मार्च का खाद्यान्न वितरण करने का आदेश जारी किया है। इसके तहत साफ्टवेयर में मार्च का ऑप्शन भी खोल दिया है, ताकि छूटे हुए हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण किया जा सके।

मार्च में पूरे प्रदेश में उचित मूल्य की दुकानों में 71 लाख 72 हजार 535 राशन कार्ड धारकों को खाद्यान्न बांटा गया था, जबकि पंजीकृत राशन कार्डों की संख्या 80 लाख 58 हजार 333 है। इस तरह 8 लाख से भी अधिक कार्ड धारकों को खाद्यान्न वितरण नहीं हो पाया था। इस तरह छूटे हुए कार्ड धारकों का एक महीने का खाद्यान्न लैप्स हो गया। वितरण नहीं हो पाने का मुख्य कारण ई-पॉस मशीन के साफ्टवेयर को अपडेट किया जाना था। एनआईसी द्वारा साफ्टवेयर अपडेट के कारण लगभग 5 दिनों तक दुकानों में वितरण नहीं हो पाया, वहीं अपडेट होने के बाद भी साफ्टवेयर में तकनीकी दिक्कत होने लगी थी, जिससे तीन दिन और वितरण प्रभावित रहा। इस तरह महीने के आखिरी दिनों में 21 से 28 तारीख तक वितरण प्रभावित रहा। हालांकि दुकानों में खाद्यान्न का भंडारण नहीं होने के कारण भी वितरण प्रभावित हुआ था।

पिछले मार्च में छूटे हितग्राहियों को अब चालू अप्रैल में खाद्यान्न मिलेगा। इस आदेश के बाद अब चालू माह में कई हितग्राहियों को एक साथ चार महीने का चावल मिलेगा, क्योंकि चालू माह में अप्रैल, मई एवं जून महीने का चावल एपीएल को छोड़कर अन्य हितग्राहियों को एक साथ बांटा जा रहा है। ऐसे में मार्च में भी कई बीपीएल सहित अन्य वर्ग के हितग्राही भी हैं, जो चावल उठा नहीं पाए थे।

आप्प्शन खोल दिया गया है

मार्च में छूटे हुए हितग्राहियों को खाद्यान्न बांटने का आदेश जारी हुआ है। इसके लिए साफ्टवेयर में ऑप्शन खोल दिया गया है। जिले की सभी राशन दुकानों को सूचना जारी कर दी गई है कि वे छूटे हुए हितग्राही को इसकी जानकारी दें, ताकि वे मार्च का खाद्यान्न ले सकें।

- भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक रायपुर\

कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर जालसाजी, एनआरसी की निलंबित रजिस्ट्रार सहित 7 पर धोखाधड़ी का अपराध

रायपुर। निजी नर्सिंग कालेजों को मान्यता दिलाने कूटरचित दस्तावेज का सहारा लेने के मामले में नर्सिंग काउंसिल की निलंबित रजिस्ट्रार दुर्गा कुंजाम सहित 7 लोगों के खिलाफ गोलबाजार थाने में धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया गया है। इस अनियमितता में रजिस्ट्रार के साथ नर्सिंग काउंसिल के दो कर्मचारी और चार निजी कालेज के प्राचार्य भी शामिल थे। मामले में नर्सिंग संचालनालय की डिप्टी डायरेक्टर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। निजी नर्सिंग कालेजों का काउंसिल में पंजीयन कराने में देर पर उठने वाली आवाज के बाद यह मामला सामने आया था। इस दौरान रजिस्ट्रेशन काउंसिल से आनन-फानन ओके रिपोर्ट के साथ भेजी गई फाइलों पर संदेह होने पर संचालनालय स्तर पर इसकी जांच कराई गई, तो अनियमितता का मामला सामने आया था। मामले में रजिस्ट्रार दुर्गा कुंजाम (उसारे) की संलिप्तता पाने पर उसे निलंबित कर दिया गया था। मामले में आर्थिक अनियमितता, पद का दुरुपयोग और निजी लाभ के लिए साजिश रचने जैसे तथ्य मिलने पर गोलबाजार थाने में डिप्टी डायरेक्टर नर्सिंग संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. निधि ग्वालरे की रिपोर्ट पर बीएनएस की धारा 318 के तहत अपराध दर्ज किया गया। मामले में निलंबित रजिस्ट्रार एवं शासकीय जीएनएनएम कालेज कांकेर की सह प्राचार्य दुर्गा कुंजाम के साथ वहां की सह प्राचार्य सुरीला जैन, काजोल साहू, प्राचार्य, मायाराम स्कूल ऑफ नर्सिंग अंबागढ़ चौकी, वसंता कुमार एन. प्राचार्य सूर्या कॉलेज ऑफ नर्सिंग जांजगीर चांपा, मंजू एमएल उप प्राचार्य, सूर्या कॉलेज ऑफ नर्सिंग जांजगीर चांपा, मैथ्यू फर्नांडीज द्वितीय श्रेणी अनियमित कर्मचारी नर्सेस रजिस्ट्रेशन कांउसिल, रायपुर तथा नरेन्द्र देवांगन, तृतीय श्रेणी अनियमित कर्मचारी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

शासकीय सेवक किसी भी राजनीतिक दल के सदस्य नहीं बन सकेंगे

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी शासकीय सेवकों के लिए आचरण नियमों के पालन को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्पक्षता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना अनिवार्य है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि कोई भी शासकीय सेवक किसी राजनीतिक दल या संगठन का सक्रिय सदस्य नहीं बन सकता और न ही किसी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग ले सकता है। इसके अलावा, बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के किसी भी शासकीय या अशासकीय संस्था, समिति, संगठन या निकाय में कोई पद धारण करना भी प्रतिबंधित है। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि कोई भी कर्मचारी ऐसा कोई दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, जिससे उसके शासकीय कार्य प्रभावित हों। प्रशासन का मानना है कि इन नियमों का पालन सुनिश्चित करना सुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इन प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। यदि किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम के तहत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार के इस कदम को प्रशासनिक अनुशासन और निष्पक्षता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने एक परिपत्र जारी किया है, इसके अनुसार कोई भी शासकीय कर्मचारी किसी राजनैतिक दल या संस्था का सदस्य नहीं हो सकता, किसी भी गतिविधियों में भाग नहीं ले सकता है, उसमें पदाधिकारी नहीं बन सकता। यह नियम पूरे देश में पहले से लागू है, इस नियम का कांग्रेस स्वागत करती है। उन्होंने कहा, एक सवाल खड़ा होता है कि क्या यह नियम आरएसएस पर भी लागू होगा? या फिर इस नियम के अनुसार चिन्हांकित कर ही कार्रवाई की जाएगी? क्या शासकीय कर्मचारियों के आरएसएस की शाखा में भाग लेने, आरएसएस के कैंपों में शामिल होने या आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर भी कार्रवाई होगी? यह आरएसएस पर भी लागू होगा या आरएसएस को छोड़ दिया जायेगा? सिर्फ दीगर संगठनों पर शामिल होने वालों पर कार्रवाई की जायेगी?

राशिफल

मेष — आज दिन काफी सकारात्मक और ऊर्जावान रहेगा। करियर में मेहनत रंग लाएगी, पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है।

वृष — आज स्थिरता और धैर्य का दिन होगा। वीनस अपनी राशि के प्रभाव से आर्थिक लाभ और सुख-सुविधाएं बढ़ा सकता है।

मिथुन — आज चंद्रमा मिथुन में होने से बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से दिन अनुकूल रहेगा, लेकिन व्यर्थ खर्च से बचें।

कर्क — चंद्रमा की स्थिति से घरेलू मामलों में सुधार होगा, लेकिन शनि के प्रभाव से कुछ चुनौतियां आ सकती हैं। करियर में मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी।

सिंह — सूर्य के प्रभाव से आत्मविश्वास उच्च रहेगा। करियर में तरक्की के अवसर आएंगे, बॉस या वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा। परिवार में आनंद का माहौल रहेगा।

कन्या — आज विश्लेषणात्मक सोच काम आएगी। नौकरी में छोटे-मोटे बदलाव हो सकते हैं। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा, लेकिन निवेश सावधानी से करें।

तुला — आज सौंदर्य और संतुलन का दिन होगा। वीनस के प्रभाव से रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। परिवार के साथ समय बिताना सुखद रहेगा।

वृश्चिक — शनि के उदय से कुछ चुनौतियां आ सकती हैं, इसलिए सावधानी बरतें। करियर में मेहनत रंग लाएगी। आर्थिक दृष्टि से दिन मिश्रित रहेगा।

धनु — आज भाग्यशाली दिन रहेगा। गुरु के प्रभाव से नई ऊर्जा मिलेगी। आर्थिक लाभ अच्छा रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। परिवार में खुशियां छाई रहेंगी।

मकर — करियर में उपलब्धियां हासिल होंगी। परिवार में सम्मान बढ़ेगा। प्रेम में गंभीरता दिखाएं। धैर्य बनाए रखें और लक्ष्य पर फोकस करें।

कुंभ — यूरेनस के प्रभाव से रचनात्मकता बढ़ेगी। करियर में अप्रत्याशित सफलता मिल सकती है। आर्थिक पक्ष अनुकूल रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मीन — नेप्च्यून के प्रभाव से आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। करियर में रचनात्मक कार्यों से सफलता मिलेगी। परिवार में भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा।

जनगणना और सुशासन तिहार के कारण अगले 3 महीने तक सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियों पर रोक

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियों पर अगले तीन महीने के लिए रोक लगा दी गई है। यह फैसला जनगणना और सुशासन तिहार को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अब कर्मचारी बिना पूर्व अनुमति छुट्टी पर नहीं जा सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग से जारी आदेश में कहा गया कि बिना स्वीकृति के छुट्टी पर जाना गंभीर अनुशासनहीनता माना जाएगा।

जारी आदेश के मुताबिक कोई भी शासकीय कर्मचारी सक्षम अधिकारी से छुट्टी मंजूर कराए बिना अवकाश पर नहीं जा सकेगा। यदि कोई कर्मचारी बिना अनुमति अनुपस्थित रहता है, तो इसे सेवा में बाधा मानते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अगले तीन महीनों तक इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। आकस्मिक अवकाश की स्थिति में भी कर्मचारी को फोन या डिजिटल माध्यम से पहले सूचना देना अनिवार्य होगा। बाद में कार्यालय पहुंचने पर इसकी लिखित पुष्टि करनी होगी। वहीं मेडिकल अवकाश के लिए डॉक्टरी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। अगर कोई कर्मचारी लंबी छुट्टी (अर्जित अवकाश आदि) पर जाता है, तो उसे पहले अपने काम का प्रभार किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी को सौंपना होगा।

जीएडी ने सभी विभागों, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के इस फैसले को प्रशासनिक कामकाज को सुचारू बनाए रखने और बड़े सरकारी कार्यक्रमों को समय पर पूरा करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

शब्द पहेली - 6204

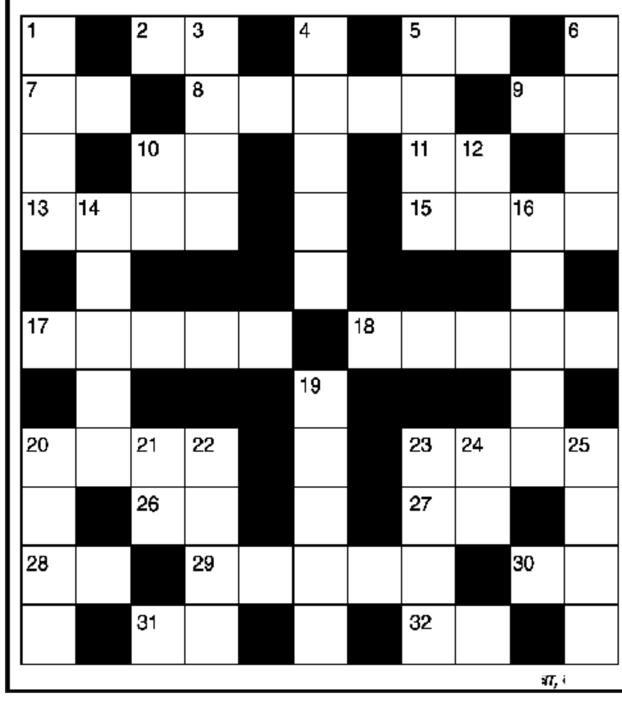

बाएँ से दाए-

2. पिता की बहन-2
5. कठोर-2
7. खून, रुधिर-2
8. मशरुम, फफूंद-3,2
9. इसे मकड़ी बुनती है-2
10. अपशिष्ट पदार्थ-2
11. धैर्य, संयम-2
13. स्फूर्ति, चंचलता-4
15. ओस, निशाजल-4
17. राशि निर्धारण-5
18. हलकापन-5
20. खालीपन, रिक्तता-4
23. स्नान करवाना-4
26. दंड-2
27. कार्य-2
28. कुर्बानी-2
29. कहानी का लेखक-5
30. प्रतिबिंब-2
31. गाना, नगमा-2
32. मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1. बंदूक की गोली-4
3. व्याकुलता-4
4. दौरान, मध्य में-5
5. सत्ताधारी-4
6. नरम, अकठोर-4
10. शराब, सुरा-2
12. ईश्वर-2
14. गतिशीलता-5
16. नवीन, नया -2,3
19. उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20. प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21. मवाद-2
22. नाज़ुकता-4
23. मना करना-4
24. मैं का बहुवचन -2
25. नाकारा, बेकार-4

शब्द पहेली -6203 का हल

सूडोकु नवताल - 6214

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6213 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

10 साल में 2.5 लाख 'पाताल फोड़ बोर बढ़े

10 हजार तालाब और 76 हजार कुएं गायब, इसलिए टंकियां प्यासी

कुओं की कमी में 'टॉप' जिले

बलौदाबाजार: यहां करीब 6,199 कुएं कम हुए

रायपुर और आसपास 3,400 से ज्यादा कुएं बंद हो गए

बिलासपुर व अन्यः लगभग हर जिले में औसतन 15 फीसदी से 20 फीसदी कुएं गायब हुए हैं।

पानी के लिए हाहाकार...हम ही हैं जिम्मेदार

कई जिलों में 2 से 5 गुना तक बढ़ गए ट्यूबवेल

पिछले 10 वर्षों में प्रदेश के कई जिलों में सिंचाई वाले नलकूपों की संख्या में 2 से 5 गुना तक वृद्धि हुई है। कोंडागांव और महासमुंद में जहां ट्यूबवेल 5 गुना बढ़े हैं वहीं बस्तर में तीन गुना, बलौदाबाजार, बालोद, राजनांदगांव, कबीरधाम, कांकेर, बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा में दो गुना से ज्यादा ट्यूबवेल सिंचाई के लिए लगाए गए हैं। ट्यूबवेल से भारी मात्रा में भूजल के दोहन से पेयजल और निस्तारी के लिए पानी का संकट गहराने लगा है।

चंद्रभूषण मिश्रा ▶▶ रायपुर

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकियां खुद प्यासी हैं क्योंकि उनको भरने के लिए बोरवेल में पानी नहीं है। जहां बोर खुदाई की गई वहां पानी नहीं निकला। हरिभूमि ने पड़ताल की कि आखिर तालाबों का प्रदेश कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में यह हालात कैसे बने। आयुक्त भू-अभिलेख की रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि 2015 की तुलना में 2025 में छत्तीसगढ़ में खेतों में सिंचाई के लिए उपयोग होने वाले नलकूपों की संख्या में सवा दो गुने का इजाफा हुआ है। ▶▶ शेष पेज 4 पर

- कई गई रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारियां
- वाटर रिचार्जिंग पर काम नहीं, भूजल दोहन से खतरनाक हो रहे हैं हालात

सिंचाई तालाब भी 10 हजार घट गए

प्रदेश में पहले बड़े तालाबों से ही आसपास के खेतों की सिंचाई होती थी, लेकिन अब तालाब भी तेजी से पटते जा रहे हैं। तालाब पाटकर लोगों ने या तो खेत बना लिया है या दूसरा उपयोग कर रहे हैं। भू-अभिलेख ▶▶ शेष पेज 4 पर

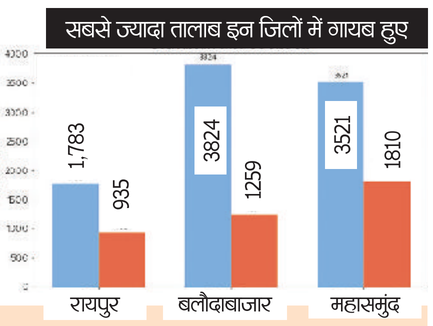

इन जिलों में फैला नलकूपों का जाल

- महासमुंद: 1 लाख 10 हजार 705 (यहां करीब 5 गुना की वृद्धि हुई)
- बेमेतरा: 43 हजार 363
- धमतरी: 25 हजार 615
- कबीरधाम: 20 हजार 491
- दुर्ग: 18 हजार 310

76 हजार से ज्यादा कुंए कम हो गए

2015 से 2025 के बीच के 10 वर्षों में राज्य में 76 हजार से ज्यादा कुंए कम हो गए हैं। 2015 में सिंचाई वाले कुंओं की संख्या 1.24 लाख थी, जो 2025 में घटकर 1 लाख रह गई। इसी तरह घरेलू उपयोग वाले कुंओं की संख्या 1.32 लाख से घटकर 1 लाख 9 हजार 800 और सिंचाई उपयोग में नहीं लाए गए कुंओं की संख्या भी 63 हजार से घटकर 44 हजार रह गई है। इस तरह राज्य में 76 हजार कुंए कम हो गए हैं। लगभग सभी जिलों में ▶▶ शेष पेज 4 पर

यह आंकड़े चौंकाते नहीं, चिंता में डालते हैं

वर्ष 2015 (27 जिले)		वर्ष 2025 (33 जिले)	बदलाव की स्थिति
सिंचाई नलकूप (ट्यूबवेल)	1 लाख 96 हजार 293	4 लाख 42 हजार 510	+ 2,46,217 (बढ़े)
सिंचाई तालाब	34 हजार 175	23 हजार 421	- 10,754 (कम हुए)
कुल कुएं (सभी श्रेणी)	3 लाख 29 हजार 325	2 लाख 53 हजार 921	- 75,404 (गायब हुए)

पूरे देश को ऊर्जा देने वाले जिले के लोग प्यासे, कहीं बिजली कनेक्शन नहीं, कहीं जल स्रोत नहीं मिला

अरविन्द पाण्डेय ▶▶ कोरबा

पूरे देश को ऊर्जा देने वाले कोरबा जिले के ग्रामीण इलाकों के लोग खुद प्यासे हैं। यहाँ जल स्तर खदानों के कारण नीचे जा रहा है, इसलिए योजनाएं कारगर नहीं हो पार्ती। जल जीवन मिशन और समूह जल योजना सरकारी उदासीनता के कारण मूर्त रूप नहीं ले पा रही हैं। जिले की 412 ग्राम पंचायतों जल जीवन मिशन के ▶▶ शेष पेज 4 पर

- शो पीस बनी टंकियां, 434 टंकियों में से केवल 167 टंकियों से मिल रहा पानी

फ्लोराइड प्रभावित गांवों की दशा यथावत

समूह जल योजना शुरू करने का उद्देश्य फ्लोराइड प्रभावित गांव के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल पहुंचाना है। पोड़ी उपरोड़ा पर्वतीय क्षेत्र होने के साथ सर्वाधिक फ्लोराइड प्रभावित वाला ब्लाक है। बांगों बांध प्रभावित गांव में पानी नहीं पहुंचने के कारण स्थानीय ग्रामीण भूमिगत जल स्रोत के जल पीने को मजबूर हैं। फुलसर, सरमा, जलके, तनेरा आदि ऐसे गांव हैं जहां फ्लोराइड युक्त पानी से लोगों को अस्थि बाधित रोग से जूझना पड़ रहा है।

तीन बार पाइप लाइन का विस्तार, फिर भी जल संकट दस साल में ट्यूबवेल से टंकी तक नहीं पहुंचा पानी

टेकचंद कारडा ▶▶ तखतपुर

10 साल पहले वार्डवासियों को पानी देने के लिए बनी पानी टंकी खुद पानी के लिए तरस रही है। हर चुनाव में जनप्रतिनिधि इस टंकी तक पानी पहुंचाने का वादा करते हैं। पिछले 10 वर्षों में नगर पालिका के अध्यक्ष ,पार्षद , सांसद, विधायक सभी के कार्यकाल बीत गए पर इस पानी टंकी को पानी से भरा जा ऐसा कोई प्रयास नहीं किया गया।पिछले वर्ष वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद शैलेंद्र निर्मलकर ने जीतने के बाद अपने ▶▶ शेष पेज 4 पर

- जनप्रतिनिधियों ने नहीं ली सुध, चुनावी वादे भी हुए फेल

नलकूप से नहीं जुड़ी पानी टंकी

इस भीषण गर्मी में भी नगर पालिका पानी टंकी के पास ही खोदे गए भारी भरकम नलकूप से पानी टंकी को नहीं जोड़ सका। वार्डवासियों का कहना है कि हर बार चुनावी मुद्दा बनी इस पानी टंकी को जोड़ने के लिए हर बार मांग उठती रही पर इस पानी टंकी की मांग पानी से भी नहीं भरी जा सकी और न जाने कितने आने वाले चुनाव के लिये यह टंकी मुद्दा बनी रहेगी।

आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट* (75.00%) ₹103903/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) ₹126900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) ₹138523/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
MG Road, Indore
*Conditions apply

खबर संक्षेप

सीयूईटी-पीजी के परिणाम आज आएंगे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने बुधवार को कहा कि साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (सीयूईटी-पीजी) 2026 के परिणाम 24 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे। एनटीए ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी साझा करते हुए अभ्यर्थियों को परिणाम घोषणा तारीख के बारे में सूचित किया।

अभयारण्य में मृत मिले एक बाघ और शावक

पन्ना/मंडला। मप्र के दो बाघ अभयारण्यों में एक बाघ और एक नर शावक मृत पाए गए हैं। वन विभाग की एक टीम को मंगलवार को पन्ना टाइगर रिजर्व में एक बाघ का सड़ा-गला शव मिला। पीटीआर के क्षेत्र संचालक बृजेश श्रीवास्तव ने बताया कि सुबह गश्त के समय वनकर्मियों को वनमर्ग अभयारण्य के कक्ष क्रमांक 278 के अंतर्गत एक बाघ का लगभग 20 से 25 दिन पुराना सड़ा-गला शव मिला। एक डॉक्टर और हमारी टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है।

गार्ड बदलने की रस्म का 25 से नया समय

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में हर शनिवार को होने वाली गार्ड बदलने की रस्म का समय 25 अप्रैल से सुबह 7:30 बजे से बदलकर 8:30 बजे कर दिया गया है। लगभग 30 मिनट तक होने वाला यह समारोह एक सैन्य परंपरा है जो हर सप्ताह आयोजित की जाती है ताकि राष्ट्रपति के अंगरक्षकों (पीबीजी) के एक नए समूह को कार्यभार संभालने में सक्षम बनाया जा सके।

इधर, ट्रंप ने बढ़ाया सीजफायर, उधर ईरान ने बरसाईं गोलियां, मिडिल ईस्ट में फिर तनाव

होर्मुज में ईरान ने गुजरात आ रहे जहाज समेत दो शिप पर हमला कर पकड़ा

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने भारत आ रहे जहाज पर भी हमला किया है। कब्जे में लिए गए दो जहाजों में से एक गुजरात जा रहा एक मालवाहक जहाज था। भारत आ रहे जहाज के अलावा कई और जहाजों पर भी हमला हुआ है।

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन/तेहरान

बीते दिनों होर्मुज जलडमरूमध्य से भारत की ओर आ रहे दो मालवाहक जहाजों पर ईरान की नौसेना (ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, आईआरजीसी) द्वारा की गई गोलीबारी की घटना को यहां देश में लोग अभी पूरी तरह से भूले भी नहीं थे कि बुधवार को ऐसी ही एक और घटना सामने आई है। जिसमें यह पता चला है कि आईआरजीसी ने होर्मुज में एक बार फिर से दो और जहाजों को निशाना बनाया है। जिसमें लाइबेरिया के ध्वज वाला हुआ एक कंटेनर जहाज 'ईपीएएमआईएनओएनडीएएस' भी शामिल है। जो जलडमरूमध्य से गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह की ओर जा रहा था। जबकि दूसरा जहाज पनामा का ध्वज वाला इजरायल से संबंधित कंटेनर जहाज 'एमएससी-फ्रांसिस्का' था। भारत की तरफ से विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर हमारा ईरानी पक्ष के साथ लगातार संवाद बना हुआ है। वहीं, इस घटना ▶▶ शेष पेज 4 पर

बिना अनुमति जाने पर की गोलीबारी : ईरान

ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि आईआरजीसी ने होर्मुज के जलक्षेत्र (ओमान से करीब 15 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व का इलाका) में नियम तोड़ने वाले दो जहाजों को जब्त किया गया है। जिसमें गुजरात जा रहा भारत का एक जहाज भी शामिल है। दोनों को ईरान के तट की ओर वापस ले जाया गया है। दोनों जहाजों ने बिना अनुमति यानी जरूरी परमिट के बिना काम करके समुद्री सुरक्षा को खतरे में डाला और नेवीगेशन सिस्टम से छेड़छाड़ भी की थी। जिसकी वजह से यह कार्रवाई की गई है।

- भारत के लाख समझाने पर भी नहीं माना ईरान
- इजरायल से जुड़े होने का आरोप लगाकर साधा निशाना

कैप्टन ने बताई पूरी आपबीती

ईरानी एजेंसी ने यह दावा भी किया है कि गोलीबारी की इस घटना में दोनों जहाजों पर सवार चालक दल के किसी सदस्य को चोट नहीं आई है। सभी फिलहाल सुरक्षित हैं। उधर, ब्रिटेन के समुद्री व्यापार अभियान केंद्र ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि एक जहाज के कैप्टन ने उन्हें सूचना दी थी कि आईआरजीसी की एक हमलावर नौका उनके करीब आई और बिना कोई चेतावनी दिए उसने जहाज पर गोलीबारी की।

बातचीत-कूटनीति से लौटेगी शांति: रणधीर

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत हमेशा से शांति के पक्ष में रहा है। क्षेत्र में शांति-स्थिरता बहाली के लिए उठाए जाने वाले सभी कदमों का हम स्वागत करते हैं। साथ ही हमें यह उम्मीद है कि इसकी मदद से पश्चिम-एशिया में दीर्घकालिक शांति-स्थिरता स्थापित होगी।

ट्रंप ने बढ़ाया ईरान के साथ युद्धविराम

वाशिंगटन/इस्लामाबाद। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थ देश पाकिस्तान के अनुरोध पर ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया है। ट्रंप ने कहा कि यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया गया है। ट्रंप ने मंगलवार को एक बयान में कहा, इस तथ्य के आधार पर कि ईरान की सरकार गंभीर रूप से आंतरिक मतभेदों से जूझ रही है और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर तथा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोध पर हमसे कहा गया है कि हम ईरान पर अपने हमले को तब तक रोकें।

फारेस्ट अफसरों के स्टिंग में फंसे तस्कर, पैंगोलिन की लगाई 50 करोड़ की बोली और दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

तस्करों के कब्जे से रायपुर वन परिक्षेत्र के अधिकारियों ने राजधानी में पहली बार जिंदा पैंगोलिन रेस्क्यू करने में सफलता हासिल की है। पैंगोलिन का रेस्क्यू करने विभागीय अधिकारियों को 50 हजार रुपए खर्च भी करने पड़े, तब जाकर विलुप्त प्रजाति के वन्यजीव की जान बचाई जा सकी। तस्करों ने पैंगोलिन की कीमत 50 करोड़ तय कर रखी थी,ऐसा विभाग का दावा है। इसकी जानकारी मिलने पर रायपुर वन परिक्षेत्र के अधिकारियों ने तस्करों को ट्रैप करने जाल बिछाया और उनसे पैंगोलिन ▶▶ शेष पेज 4 पर

- रायपुर वन परिक्षेत्र की टीम ने तस्करों से रेस्क्यू किया पहली बार जिंदा पैंगोलिन, उम्र 12 वर्ष, वजन 20 किलो

देखने की कीमत 50 हजार रुपए

पैंगोलिन चंगोराभाठा स्थित पीएस सिटी में गोपाल बोधरे के कब्जे में था, इसकी पुष्टि होने पर दीपक तिवारी तथा संतोष सावंत ने गोपाल को पैंगोलिन दिखाने कहा। पैंगोलिन दिखाने के पहले गोपाल ने दोनों अधिकारियों से 50 हजार रुपए देने की मांग की। अफसरों ने गोपाल को 50 हजार रुपए देकर पैंगोलिन का सौदा किया। सौदा पक्का करने गोपाल ने अफसरों से टोकन मनी के रूप में डेढ़ लाख रुपए और लिए। इसके बाद वन विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड टीम ने गोपाल को गिरफ्तार कर पूछताछ की, तो उसने खोखन के साथ मिलकर पैंगोलिन का सौदा करने का अपराध कबूल किया।

इसलिए पैंगोलिन का शिकार कर तस्करी

पैंगोलिन के शल्क (स्केल) केराटिन से बने होते हैं। चीन और वियतनाम की पारंपरिक दवाओं में इनका उपयोग कथित तौर पर अस्थमा, चर्म रोग और यहां तक कि कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है, जिसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि ये स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। इसके साथ ही पैंगोलिन के मांस को कई लोग यौन शक्ति बढ़ने के भ्रम में खाते हैं। इसलिए पैंगोलिन का मांस काफी महंगी कीमत पर बिकता है। पैंगोलिन काफी शर्मीला स्वभाव का होता है। खतरा महसूस होने पर वे भागने के बजाय गेंद की तरह गोल हो जाता है, जिससे शिकारियों के लिए उन्हें उठाकर बोरी में डालना बहुत आसान हो जाता है।

एक मई से नया नियम

अब बिना रजिस्ट्रेशन नहीं चलेंगे ऑनलाइन गेम्स

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने बुधवार को बहुप्रतीक्षित ऑनलाइन गेमिंग नियमों को अधिसूचित कर दिया। ये नियम ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम को संचालित करने के लिए प्रक्रियात्मक ढांचा मुहैया कराते हैं और इनके आधार पर ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण का गठन भी हो सकेगा। कोई भी ऑनलाइन गेम बिना सरकारी रजिस्ट्रेशन के नहीं चल सकेगा।

आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा कि ज्यादातर ऑनलाइन गेम - अगर वे 'रियल मनी गेम' नहीं हैं (पैसे का लेनदेन शामिल नहीं है), को अनिवार्य रूप से पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी।

ऑनलाइन गेमिंग पर होगी सरकार की नजर

ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरपर्सन आईटी मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी होंगे। इसके अलावा इसमें गृह मंत्रालय, फाइनेंशियल सर्विसेज विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, युवा एवं खेल मंत्रालय और विधि विभाग के जॉइंट सेक्रेटरी लेवल के अधिकारी मेंबर होंगे यानी अलग-अलग मंत्रालय मिलकर ऑनलाइन गेमिंग पर नजर रखेंगे।

पालक के सहमत होने के कारण कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई

नाबालिग दूल्हे की शादी की 'शून्य', दुल्हन वापस दो महीने बाद बालिग होने पर फिर होगा विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुसुमकसा (बालोद)

अलग खबर

बालोद जिले के डोंडी विकासखंड के ग्राम पंचायत भर्रीटोला 43 में एक दिलचस्प मामला सामने आया है। जहां नई-नई ब्याह कर दुल्हन लाई गई थी। घर में रिश्तेदारों की भीड़ थी, उत्सवी माहौल था, धरम टीकावन की रस्म होनी थी कि धड़धड़ाती हुई प्रशासन की टीम पहुंची और शिकायत की जानकारी देते हुए तमाम कागजात की जांच करनेरअसल ▶▶ शेष पेज 4 पर

आधार कार्ड में बालिग स्कूल रजिस्टर में नाबालिग

युवक के आधार कार्ड में जन्मतिथि 13-6- 2002 दर्ज है जो की वर्ष 2025 में अपडेट हुआ है और स्कूल दाखिल खारिज रजिस्टर में 13 -6 -2005 दर्ज है, तो आधार कार्ड में किस आधार पर जन्मतिथि के वर्ष में परिवर्तन किया गया, यह जांच का विषय है। इधर कार्रवाई के दौरान मौके पर जिला महिला बाल विकास अधिकारी देवेंद्र नेताम तहसीलदार डोंडी,परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास विभाग डोंडी क्रमांक-1 व क्रमांक - 2 , विजय जगत सहायक उपनिरीक्षक राजहरा थाना , श्वेता श्रीवास्तव पर्यवेक्षक ,राजकुमारी देहारी सरपंच ग्राम पंचायत भर्रीटोला, किशुन पटेल सचिव ग्राम पंचायत ग्रामीणजन उपस्थित थे। याद रहे बाल विवाह निषेध अधिनियम के बाल विवाह करना दंडनीय अपराध है।

चिंतन

दवाओं को सुरक्षित और प्रभावी बनाना बेहद जरूरी

भारत में दवाओं की गुणवत्ता पर उठते सवाल अब सिर्फ स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं रहे, यह सीधे-सीधे जन-जीवन, भरोसे और अर्थव्यवस्था पर हमला है। बीमारी जब किसी व्यक्ति को जकड़ती है तो वह केवल शारीरिक पीड़ा नहीं देती, बल्कि पूरे घर से लेकर राष्ट्र तक की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। किसी भी व्यक्ति का बीमार होना घर पर बोझ बढ़ाता है। फिर यही बोझ राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को परिलक्षित करता है। इसका दुःखद पहलू यह है कि भारत में बड़े पैमाने पर घटिया और नकली दवाएं बनाकर बेची जा रही हैं, जिनसे बीमार व्यक्ति ठीक होने की बजाय बीमारी में और फंस जाता है। यह समस्या एक व्यक्तिगत त्रासदी से बढ़कर राष्ट्रीय संकट तक बन जाती है। लगातार इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन घटिया और नकली (सबस्टैंडर्ड) दवाएं लगातार बाजार में उपलब्ध हैं। हाल ही की घटनाएं इस भयावह सच को उजागर करती हैं। गुरुग्राम में वजन घटाने वाले नकली मोंजारो इंजेक्शन की बरामदगी, कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की दवा में सस्ती एंटी-फंगल दवा मिलाना, कफ सिरप से बच्चों की मौत और कोरोना काल में नकली रेमडेसिविर की कालाबाजारी ये सब आईसोलेटेड घटनाएं नहीं, बल्कि एक संगठित और खतरनाक तंत्र की ओर इशारा करती हैं। यह तंत्र न केवल कानून को धता बता रहा है, बल्कि इंसान की जिंदगी को मुनाफे के तराजू पर तौल रहा है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की हालिया जांच में 141 दवाओं के सैंपल फेल होना इस संकट की गंभीरता को और गहरा करता है। 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी' घोषित की गई इन दवाओं में रोजमर्रा की बीमारियों से लेकर कैंसर और हृदय रोग तक की दवाएं शामिल हैं। साफ है कि खतरा हर घर तक पहुंच चुका है। यह सिर्फ किसी एक राज्य या क्षेत्र की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश में फैला हुआ एक मकड़जाल है, जो नियामक व्यवस्था की कमजोरियों का फायदा उठा रहा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस अवैध कारोबार में अब चिकित्सा तंत्र के भीतर के लोग भी शामिल पाए जा रहे हैं। दिल्ली में कैंसर की नकली दवाओं के गिरोह का भंडाफोड़ इस बात का प्रमाण है कि जब व्यवस्था के अंदर बैठे लोग ही भरोसे को तोड़ने लगें, तो हालात और भी गंभीर हो जाते हैं। खाली शीशियों में सस्ती दवा भरकर लाखों में बेचना केवल आर्थिक अपराध नहीं, यह मानवता के खिलाफ अपराध है। प्रश्न यह उठता है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में नकली और घटिया दवाएं बाजार तक पहुंच कैसे रही हैं? जवाब है निगरानी तंत्र की कमी, कानून के क्रियान्वयन में ढिलाई और सजा का भय न होना। जब तक दोषियों को त्वरित और कठोर दंड नहीं मिलेगा, तब तक ऐसे गिरोह फलते-फूलते रहेंगे। वहीं, आम जनता को भी जागरूक बनाना होगा। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग की जांच करना और संदिग्ध दवाओं की सूचना देना, ये छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते हैं। यह जिम्मेदारी केवल नागरिकों पर डालकर सरकार अपने कर्तव्यों से मुक्त नहीं हो सकती। दवा सिर्फ एक उत्पाद नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का माध्यम है। अगर इस क्षेत्र में भरोसा टूटता है, तो पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा जाएगी। इसलिए अब आधे-अधूरे उपायों का समय बीत चुका है। जरूरत है दवाओं के प्रति सतर्कता, मजबूत निगरानी तंत्र, निर्णायक, कठोर और पारदर्शी कार्रवाई की, ताकि नकली दवाओं के इस काले कारोबार पर लगाम लगाई जा सके। तभी देश का हर नागरिक निश्चिंत होकर इलाज करा सकेगा और 'स्वास्थ्य' वास्तव में 'विश्वास' का पर्याय बन पाएगा।

मुद्दा
अम्बरीष प्रजापति

लोकतंत्र की गरिमा-भाषाई मर्यादा का संकट

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में राजनीतिक विमर्श को हमेशा एक वैचारिक रूप में देखा गया है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी प्रकृति में एक भयावह बदलाव आया है। लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं होता, बल्कि यह संवाद, विमर्श और सम्मानजनक असहमति की एक सुसंस्कृत व्यवस्था है। किसी भी लोकतांत्रिक ढांचे की मजबूती इस बात पर टिकी होती है कि उसके प्रतिनिधि सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे के प्रति किस तरह के व्यवहार और भाषा का प्रदर्शन करते हैं। परंतु, वर्तमान भारतीय राजनीति के परिदृश्य पर दृष्टि डालें तो एक भयावह सत्य उभरकर सामने आता है। वह सत्य है- राजनीतिक विमर्श का निरंतर गिरता स्तर।

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में राजनीतिक विमर्श को हमेशा एक वैचारिक रूप में देखा गया है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी प्रकृति में एक भयावह बदलाव आया है। लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं होता, बल्कि यह संवाद, विमर्श और सम्मानजनक असहमति की एक सुसंस्कृत व्यवस्था है। किसी भी लोकतांत्रिक ढांचे की मजबूती इस बात पर टिकी होती है कि उसके प्रतिनिधि सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे के प्रति किस तरह के व्यवहार और भाषा का प्रदर्शन करते हैं। परंतु, वर्तमान भारतीय राजनीति के परिदृश्य पर दृष्टि डालें तो एक भयावह सत्य उभरकर सामने आता है। वह सत्य है- राजनीतिक विमर्श का निरंतर गिरता स्तर। कुछ दिन पहले कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जिस तरह से देश के सर्वोच्च पद पर आसीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए 'आतंकवादी' शब्द का प्रयोग किया, इससे पहले भी मौत का सौदागर, तानाशाह, नीच व बिच्छू जैसे विशेषणों का प्रयोग विपक्षी दलों द्वारा किया गया है, उसने न केवल लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, बल्कि भाषाई मर्यादा के गहरे संकट को भी उजागर किया है। यह समस्या केवल एक पक्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इस दलदल में समान रूप से धंसे हुए नजर आते हैं, जहां तर्कों की जगह कुतर्कों और मुद्दों की जगह व्यक्तिगत लांछनों ने ले ली है।

किसी भी राष्ट्र के प्रधानमंत्री के लिए 'आतंकवादी' जैसे शब्द का प्रयोग करना केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं है, बल्कि उस संवैधानिक पद और जनमत का अपमान है जिसने उस व्यक्ति को चुना है। जब विपक्ष के बड़े नेता अपनी रैलियों में इस तरह की उग्र और अमर्यादित भाषा का सहारा लेते हैं, तो वे भूल जाते हैं कि वे समाज में वैमनस्य के बीज बो रहे हैं। आतंकवादी वह होता है जो निर्दोषों का लहू बहाता है और राज्य की संप्रभुता को चुनौती देता है। एक निर्वाचित प्रतिनिधि को, चाहे उसकी नीतियां कितनी भी विवादास्पद क्यों न हों, इस श्रेणी में खड़ा करना भाषाई दिवालियापन की पराकाष्ठा है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि राजनीति में अब विरोध का अर्थ केवल नीतिगत आलोचना नहीं रह गया है, बल्कि प्रतिद्वंद्वी का चरित्र हनन करना और उसे जनता की नजरों में एक अपराधी के रूप में पेश करना मुख्य उद्देश्य बन गया है। दुर्भाग्यवश, यह भाषाई गिरावट एकतरफा नहीं है, बल्कि सत्ता पक्ष के नेताओं की ओर से भी समय-समय पर विपक्ष के प्रति ऐसी टिप्पणियां की गई हैं जो किसी भी सभ्य समाज को शर्मसार कर सकती हैं। सत्ता पक्ष के जिम्मेदार नेताओं द्वारा विपक्ष को देशद्रोही, विदेशी एजेंट, शहरी नक्सल, दीदी ओ दीदी, दीमक और आंदोलनजीवी कह देना भी उसी दूषित मानसिकता का हिस्सा है। जब राजनीतिक दल अपने विरोधियों को शत्रु समझने लगते हैं, तो संवाद के दरवाजे बंद हो जाते हैं। भारतीय संसद और विधानसभाओं के भीतर से लेकर सोशल मीडिया के डिजिटल गलियारों तक, आज भाषा के जो अस्त्र

इस्तेमाल हो रहे हैं, वे किसी भी लोकतांत्रिक मर्यादा की परिधि से बाहर हैं।

नेताओं के बीच शब्दों का चयन अब शालीनता की कसौटी पर नहीं, बल्कि इस बात पर तय होता है कि कौन सा शब्द अधिक से अधिक सुर्खियां बटोर सकता है और समर्थकों की भीड़ को उत्तेजित कर सकता है। इतिहास साक्षी है कि भारत के राजनीतिक आकाश में अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी,पंडित दीनदयाल उपाध्याय, सुषमा स्वराज, डॉ. भीमराव अंबेडकर और राम मनोहर लोहिया जैसे दिग्गज रहे हैं, जिनके बीच वैचारिक मतभेद हिमालय की तरह ऊंचे थे, लेकिन उनके शब्दों में एक गरिमा और मर्यादा होती थी। संसद व चुनावी सभाओं में तीखे प्रहार होते थे, लेकिन उन प्रहारों में भी एक साहित्यिक लालित्य और संसदीय शिष्टाचार होता था। आज के दौर में वह शिष्टाचार कहीं खो गया है। आज के नेताओं के लिए भाषा अब विचार व्यक्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक हिंसक हथियार बन गई है। जब बड़े नेता मंच से नीच, नालायक या जहर की खेती जैसे शब्दों का उच्चारण करते हैं, तो वे अपनी युवा पीढ़ी को क्या संदेश दे रहे हैं? वे एक ऐसी संस्कृति का निर्माण कर रहे हैं, जहां असहमति का उत्तर केवल गाली और अपमान से दिया जाता है। इस भाषाई संकट का सबसे नकारात्मक प्रभाव आम जनता और समाज की मानसिकता पर पड़ता है। राजनीतिज्ञ समाज के लिए रोल मॉडल होते हैं। जब वे सार्वजनिक जीवन में मर्यादाओं का उल्लंघन करते हैं, तो समाज के निचले स्तरों पर भी वैसी ही कटुता और असहिष्णुता घर कर लेती है। सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग और हिंसक बहसें इसी भाषाई पतन का विस्तार हैं। राजनीति में हार-जीत तो चलती रहती है, लेकिन जो शब्द एक बार बोल दिए जाते हैं, वे समाज के मानस पटल पर स्थायी घाव छोड़ देते हैं। प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना या विपक्ष के नेता को अपमानजनक उपनामों से पुकारना, अंततः देश की लोकतांत्रिक परिपक्वता को विश्व पटल पर कमजोर करता है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन संवैधानिक पद तथा संस्थाओं की गरिमा और भाषाई शुचिता का बना रहना जरूरी है। लोकतंत्र में आलोचना प्राणवायु की तरह है, लेकिन आलोचना का आधार तथ्य और तर्क होने चाहिए, न कि गालियां और व्यक्तिगत आक्षेप। यदि विपक्ष सरकार की नीतियों से असहमत है, तो उसे आंकड़ों और ठोस तर्कों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। इसी प्रकार, सत्ता पक्ष को भी विपक्ष के अस्तित्व का सम्मान करना चाहिए और उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अवसर देना चाहिए। जब तक राजनीति में प्रतिद्वंद्वी और शत्रु के बीच का अंतर स्पष्ट नहीं होगा, तब तक इस भाषाई संकट से मुक्ति मिलना असंभव है। अंततः, यह जिम्मेदारी केवल नेताओं की ही नहीं, बल्कि मतदाताओं की भी है। जब तक जनता अमर्यादित भाषा बोलने वाले नेताओं को पुरस्कृत करती रहेगी और उनकी रैलियों में तालियां बजाती रहेगी, तब तक राजनीतिक दल अपनी शैली बदलने के लिए प्रेरित नहीं होंगे।

हमें एक ऐसे राजनीतिक परिवेश की आवश्यकता है, जहां विचारों का संघर्ष हो, शब्दों का युद्ध नहीं। लोकतंत्र की गरिमा तभी सुरक्षित रह सकती है जब भाषा में शालीनता हो, व्यवहार में विनम्रता हो और विरोध में भी सम्मान का पुट हो। प्रधानमंत्री पद की गरिमा और विपक्ष की भूमिका, दोनों ही लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि इनमें से किसी के प्रति भी भाषाई अनाचार होता है, तो वह पूरे लोकतंत्र के ढांचे को हिला देता है। सभी राजनीतिक दल एक साथ मिलकर एक आचार संहिता बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि चुनावी जीत की होड़ में वे अपनी सभ्यता और भाषाई विरासत को पीछे न छोड़ दें। लोकतंत्र को बचाने के लिए केवल संविधान की रक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस भाषा की रक्षा भी जरूरी है जो हम एक-दूसरे के प्रति प्रयोग करते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

यातायात
प्रमोद भार्गव

दुर्घटनाओं को आमंत्रित करते राजमार्ग

निसंदेह देश में अच्छे और चौड़े राजमार्ग उत्कृष्ट विकास के प्रतीक हैं। सड़कें मानव विकास की जीवन रेखाएं हैं। देश की आर्थिक स्थिति सुधरने के साथ-साथ सड़कों के निर्माण का जाल बिछ गया है। ग्रामों से मुख्य मार्गों को जोड़ने वाली सड़कें भी बड़ी संख्या में बनी हैं, लेकिन उसी अनुपात में वाहन तो बढ़े ही, उनकी रफ्तार भी बढ़ गई। नशे में भी लोग वाहन बेधड़क चलाने लग गए। अतएव उच्च तकनीक की सहायता से निर्मित किए गए एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग उसी अनुपात में दुर्घटनाओं का कारण बनते चले जा रहे हैं। सीमेंट और कंक्रीट की बनी सड़कें दुर्घटनाओं को ज्यादा आमंत्रित कर रही हैं, क्योंकि इन सड़कों पर वाहन जितनी जल्दी रफ्तार पकड़ते हैं, उतनी जल्दी नियंत्रित नहीं होते हैं। ऐसे में ब्रेक लगाना वाहन पलटने का कारण बन जाता है। साफ है, सुविधाजनक चार और छह लाइन की सड़कें सुरक्षित सफर की कसौटी नहीं रह गई हैं। देश में राष्ट्रीय राजमार्ग केवल दो प्रतिशत हैं, किंतु सड़क हादसों में होने वाली मौतों की कुल संख्या में इनका प्रतिशत 30 है। इसकी चिंता करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र, राज्य सरकारों और संबंधित सड़क प्राधिकरणों को सड़कों को सुरक्षित बनाने के दिशा-निर्देश दिए है। देश में सड़क दुर्घटनाओं को लेकर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, बीते वर्ष की तुलना में 4.2 प्रतिशत हादसे बढ़ गए, इनमें जान गंवाने वालों की संख्या भी बढ़ गई।

साल 2019 में देश में 4.56 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1.59 लाख लोग मारे गए। 2020 में कोरोना काल के चलते आवागमन लगभग बंद था, इसलिए हादसे भी कम हुए, परंतु 2021 में करीब 4.2 लाख, 2022 में 4.61 लाख और 2023 में 4.80 लाख दुर्घटनाएं हुईं और इन हादसों में करीब 8 लाख से ज्यादा लोग मारे गए। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। लिहाजा शासन-प्रशासन ने बड़े हादसों का ठीकरा वाहनों की तेज रफ्तार पर फोड़कर अपनी चिंता पूरी कर ली। चिंता की बात है कि आखिर ये हादसे क्यों हो रहे हैं? केंद्र सरकार ने नवंबर 2022 में जानकारी दी थी कि देशभर में हुई कुल सड़क दुर्घटनाओं में 32.9 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे पर घटी हैं। इनकी वजह तेज गति रही है। सवाल है कि जब तेज रफ्तार से हादसे हो रहे हैं, तो इन्हें रोकने के उपाय क्या किए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों में तो गति रडार लगाए गए हैं। व्यावसायिक वाहनों में भी स्पीड गवर्नर लगाने की योजना है, लेकिन वह ठंडे बस्ते में पड़ी हैं। यह योजना इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। इसे वाहन की ईंधन प्रदाय प्रणाली से जोड़ा जाता है, जो गति बढ़ाने के लिए अतिरिक्त तेल इंजन में जाने ही नहीं देती है। दुर्घटनाओं के बढ़ने का एक बड़ा कारण देश को कार और दो पहिया वाहनों से पाट देना भी है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर होटल और भोजनालयों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। इनके सामने वाहन बेतरतीब ढंग से खड़े कर दिए जाते हैं। इसी सिलसिले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि संबंधित प्राधिकरण और नियंत्रक एजेंसियां इस स्थिति को सुधारने का प्रयत्न करें। वैसे राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात पुलिस की नियमित गष्त का प्रावधान है, लेकिन लापरवाही के चलते गश्तीदल दिखते ही नहीं हैं। अब तक यह आम धारणा बनी हुई है कि सड़क हादसे राजमार्गों पर अधिक होते हैं, किंतु सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं को लेकर एक नई तस्वीर पेश की है।

इससे पता चला है कि राजमार्गों से कहीं अधिक हादसे भीतरी सड़कों पर भी होने लगे हैं। ग्रामीण इलाकों में जब से ट्रैक्टर, बाइक और कार-जीपों की संख्या बढ़ी है, तब से इन छोटे समझे जाने वाले मार्गों पर दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बीते दो दशकों के भीतर गांव-गांव सड़कें पहुंची हैं और उसी तादाद में वाहन भी बढ़े हैं। सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं में शराब पीकर वाहन चलाना, नाबालिग बाइकर्स का सड़कों पर बेलगाम होना भी है। वहीं देश में बढ़ते सड़क हादसों के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों में भी तलाशे जा रहे हैं। दरअसल, देश में हरेक साल करीब डेढ़ लाख लोग मारे जाते हैं और चार से पांच लाख घायल होते हैं, उनमें ज्यादातर युवा होते हैं। दूसरी तरफ सरकार राजमार्गों पर ऐसे स्थल तलाश रही है, जहां अधिकतम दुर्घटनाएं होती हैं। इसके बाद इन स्थलों पर ऐसे सुधार किए जाएंगे,जिससे घटनाएं कम हों। यदि सड़क पर गति को नियंत्रित नहीं किया गया तो सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या इतनी बढ़ जाएगी कि शायद आबादी नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन की जरूरत ही नहीं रह जाएगी? सड़कों से वाहन कम किए बिना दुर्घटनाओं से छुटकारा मुश्किल है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग : कर्मसु कौशलम

संकलित
दर्शन

चित्तवृत्ति का भगवान में विलीन हो जाना योग है। यह महायोग बनता है भगवान की अहैतुकी कृपा से! श्रीरामचरितमानस में जहां भी योग है, वह केवल ईश्वर विषयक ही है। उसका सात्विक प्रयोजन और कोई नहीं है। श्री भरत चित्रकूट में भगवान के हृदय से मिलकर शून्य स्थिति को प्राप्त हो गए। न बुद्धि की सत्ता रही, न मन की चंचलता। चित्त में कोई संस्कार शेष न रहा। यही स्थिति योगी की होती है। वह योग करते-करते ईश्वर से एकाकार होकर प्रेम रस से भर जाता है। उसकी वाणी अवरुद्ध हो जाती है और मन रिक्त हो जाता है। भक्त का योग जब भगवान से होता है, मन, बुद्धि और चित्त के साथ साधन अहं शून्य हो जाता है। मन, बुद्धि, चित्त और अहं की स्वीकृति केवल साधन काल में ही होती है, पर साध्य की परम प्राप्ति में इनकी विस्मृति ही योग है। श्रीमद्भगवद्गीता के सभी 18 अध्याय योग हैं। अर्जुन विषाद योग से प्रारंभ होकर गीता की 18 योगों की नदियां मोक्ष संन्यास योग बनकर श्रीकृष्ण समुद्र में जाकर पूर्णता को प्राप्त हो जाती हैं। द्वापर में जितना भार श्रीकृष्ण ने उठाया, उतना त्रेता में श्रीराम को नहीं उठाना पड़ा, क्योंकि श्रीराम के साथ के लोग अनुकूल थे। उनका काल उनके अनुकूल था, जबकि भगवान कृष्ण को तो सारी गीता सुना-समझाकर, अपनी योगस्थिति को बाजी पर लगाकर अर्जुन से कहना पड़ा कि जितने धर्म मैंने तुझे बताए हैं, तू उन सबको छोड़कर मेरी शरण में आ जा, मैं तुझे सारे पापों से मुक्त कर तुझे भी मुक्त कर दूंगा।

महिला के शुभ कदम

संकलित
प्रेरणा

एक आदमी ने दुकानदार से पूछा- केले और सेवफल क्या भाव लगाऐ है? दुकानदारः केले 20 रु. दर्जन और सेव 100 रु. किलो। उसी समय एक गरीब सी औरत दुकान में आयी और बोली मुझे एक किलो सेव और एक दर्जन केले चाहिए, क्या भाव है? भैया दुकानदार- केले 5 रु. दर्जन और सेब 25 रु. किलो। औरत ने कहा-जल्दी से दे दीजिए। दुकान में पहले से मौजूद ग्राहक ने खा जाने वाली निगाहों से घूरकर दुकानदार को देखा, इससे पहले कि वो कुछ कहता, दुकानदार ने ग्राहक को इशारा करते हुए थोड़ा सा इंतजार करने को कहा। औरत खुशी खुशी खरीदारी करके दुकान से निकलते हुए बड़बड़ाई हे भगवान तेरा लाख लाख शुक्र है, मेरे बच्चे फलों को खाकर बहुत खुश होंगे। औरत के जाने के बाद, दुकानदार ने पहले से मौजूद ग्राहक की तरफ देखते हुए कहा- ईश्वर गवाह है, भाई साहब मैंने आपको कोई धोखा देने की कोशिश नहीं की। यह विधवा महिला है, जो चार अनाथ बच्चों की मां है। किसी से भी किसी तरह की मदद लेने को तैयार नहीं है। मैंने कई बार कोशिश की है और हर बार नाकामी मिली है। तब मुझे यही तरीकीब सूझी है कि जब कभी ये आए तो, मै उसे कम से कम दाम लगाकर चीज़े दे दूं। मैं यह चाहता हूँ कि उसका भरम बना रहे और उसे लगे कि वह किसी की मोहताज नहीं है। इस तरह भगवान के बन्दो की पूजा कर लेता हूं। थोड़ा रूक कर दुकानदार बोला-यह औरत हफ्ते में एक बार आती है। भगवान गवाह है, जिस दिन यह आ जाती है उस दिन मेरी बिक्री बढ़ जाती है और उस दिन परमात्मा मुझपर मेहरबान हो जाता है।

अंतर्मन

आज की पाती

आखिर क्यों टूट रहे हैं छात्र

भारतीय तकनीकी शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थान, जिन्हें कभी 'सपनों की फैक्टरी' कहा जाता था, आज कई युवाओं के लिए मानसिक दबाव के कारखाने बनते जा रहे हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में महज़ दो महीनों के भीतर चार छात्रों की आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल चार जिंदगियों का अंत नहीं, बल्कि एक ऐसे तंत्र की विफलता है जो प्रतिभा को तराशने के बजाय उसे तोड़ रहा है। फरवरी से अप्रैल 2026 के बीच हुई ये घटनाएं अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि एक खतरनाक सिलसिले का संकेत देती हैं, जहां एक घटना के बाद दूसरी घटना घटती चली जाती है, जैसे निराशा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक फैल रही हो। सवाल यह है कि छात्र क्यों आत्महत्याएं कर रहे हैं।

-विपिन चौहान, दुर्ग

करंट अफेयर

पाक के हवाई क्षेत्र में भारतीय विमान कंपनियों पर प्रतिबंध

पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानों पर लगाए गए प्रतिबंध को मंगलवार को एक महीने के लिए और बढ़ा दिया। पाकिस्तान ने 24 अप्रैल, 2025 से भारतीय उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद रखा है, जिससे भारतीय विमानन कंपनियों को अरबों रुपये का नुकसान हुआ है। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने 'नोटिस टू एयरमेन' (नोटम) में कहा है कि 'सभी भारतीय-पंजीकृत, पट्टे पर लिए गए, वाणिज्यिक और सैन्य विमानों को 24 मई, 2026 को सुबह पांच बजे तक पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।' यह नोटिस पिछले नोटिस की समय सीमा 24 अप्रैल समाप्त होने से कुछ दिन पहले जारी किया गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद उत्पन्न तनाव के चलते पाकिस्तान ने भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। भारत ने आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया था। हालांकि, पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और पारदर्शी जांच की मांग की। इसके जवाब में भारत ने भी पाकिस्तानी विमानन कंपनियों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया। पाकिस्तान ने भारत पर पहली बार इस तरह के प्रतिबंध लगाए।

ऑफ बीट

डिजिटल तकनीक प्रौद्योगिकी आपका समय चुरा रही

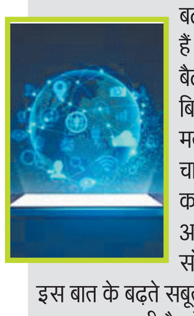

प्रौद्योगिकी अमूमन हमारे जीवन को आसान बनाने के लिए होती है। स्मार्ट फोन दुनिया को हथेली के आकार की खिड़की प्रदान करते हैं, जिससे हम एक बटन के स्पर्श से लगभग कुछ भी करने में सक्षम हो जाते हैं। स्मार्ट घर अपनी देखभाल खुद करते हैं, और आभासी बैठकों का मतलब है कि कई लोगों के लिए, आने-जाने में बिताया गया समय अतीत की बात हो गई है। तो इसका मतलब यह है कि हमारे पास अधिक खाली समय होना चाहिए। जो समय अब सोने, आराम करने या कुछ भी न करने में व्यतीत हो रहा है – ठीक है? यदि यह विचार कि आपके पास पहले से कहीं अधिक समय है, आपको कुछ सोचने पर मजबूर कर रहा है, तो आप अकेले नहीं हैं। इस बात के बढ़ते सबूत हैं कि डिजिटल तकनीक हमें कुछ समय बचाने में मदद कर सकती है, लेकिन हम उस समय का उपयोग ज्यादा से ज्यादा काम करने में करते हैं। हमने हाल ही में पूरे यूरोप में 300 लोगों का साक्षात्कार लिया, यह समझने के लिए कि वे दैनिक जीवन में डिजिटल उपकरणों का उपयोग कैसे करते हैं। इस शोध से पता चला कि लोग अपने जीवन में खाली समय से बचना चाहते हैं, इसलिए इस दौरान वह उन कार्यों को पूरा करते हैं, जिनमें से कुछ प्रौद्योगिकी के बिना संभव नहीं होंगे।

ट्रेंड

टीएमसी की सरकार गिरेगी

तृणमूल कांग्रेस ने पिछले 15 वर्षों में बंगाल को 50 साल पीछे धकेल दिया है। दशकों से युवाओं को रोजगार से वंचित रखा गया है, किसानों की उपज की कालाबाजारी की गई दमदम में उमड़ रहा उत्साह इस बात का संकेत दे रहा है कि जनविरोधी तृणमूल कांग्रेस की यह सरकार गिरने वाली है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

कांग्रेस की मानसिकता

कांग्रेस पार्टी के लोग अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। इन लोगों से कुछ भी कहना समय की बर्बादी है। और जब समय आएगा, तो कांग्रेस का आज जो हाल है, कल उनका हाल उससे भी बदतर होगा।

-रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

ममता दीदी को समर्थन

ममता दीदी से मैंने उनके प्रति एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। वह एक बेहद कठिन लड़ाई लड़ रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण लड़ाइयों में से एक है। मोदी जी हारेंगे, चाहे उन्होंने सभी संस्थानों का दुरुपयोग ही क्यों न किया हो।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

विनम्र श्रद्धांजलि

पहलगाम आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले 26 नागरिकों को बरसी पर मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। देश निर्दोष नागरिकों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा और न ही क्षमा करेगा। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

जिले में बनाएंगे 50 खेल मैदान

दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सचिन तेन्दुलकर के एनजीओ संस्था सचिन तेन्दूलकर फाऊन्डेशन तथा मानदेशी चैम्पियन संयुक्त रूप से 50 खेल मैदान को बनाने का कार्य शुरू किया है, जिसमें 25 खेल मैदान बनकर तैयार हो चुके हैं। शेष 25 अभी बाकी है, जिसमें विभिन्न खेल प्रतिभाओं का आयोजन किया जाना है। इसके लिए 100 लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

हीरों को तराशने पर ही उसकी कीमत

छिंदनार में सचिन तेंदुलकर ने छात्रों को प्रेरणा देते हुए कहा कि उन्होंने एक अपनी जीवन की शुरुआत मैदान से ही प्रारंभ किया था और आज इन सभी बच्चों को देख कर पुरानी यादें ताजा हो रही है। उन्होंने छात्रों को इंगित करने हुए कहा कि यहां सब ऐसे हीरे उपस्थित है जिन्हें तराशा जाना है क्योंकि हीरे की कीमत उसके पॉलिश करने के उपरांत ही होती है और उन्हें खुशी है कि मानदेशी फाउंडेशन के कोच बच्चों की प्रतिभा को तराशने का काम बखूबी कर रहे हैं उन्हेंने आगे कहा कि जीवन में कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा का संगम ही व्यक्ति को ऊंचाइयों पर ले जाता है अतः सफलता के लिए जरूरी है कि हम शॉर्टकट न अपनाए और उपरोक्त सिद्धांतों पर अमल करें। इस मौके पर तेंदुलकर ने अपने जीवन में पिता की भूमिका का भी स्मरण किया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि खेल के साथ-साथ पढ़ाई में भी संतुलन बना कर चले।

तेंदुलकर ने कहा- सफलता के लिए प्रतिभा के साथ-साथ अनुशासन और कड़ी मेहनत जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

जिले का स्वामी आत्मानंद हिन्दी मीडियम हाईस्कूल छिंदनार गांव बुधवार को एक ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बना, जहां क्रिकेट जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने सचिन तेंदुलकर एवं मानदेशी फाउंडेशन द्वारा निर्मित मल्टी-स्पोर्ट्स ग्राउंड का उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मानदेशी फाउंडेशन की फाउंडर चेतना सिन्हा भी सचिन के साथ मौजूद रहीं, जो ▶▶|शेष पेज 4 पर

- दंतेवाड़ा के ग्राम छिंदनार में सचिन तेंदुलकर ने रखी खेल क्रांति की नींव
- सचिन एवं मानदेशी फाउंडेशन के जरिए संवरेगा वनांचल का युवाओं के भविष्य

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

केदारनाथ धाम के कपाट खुले

देहरादून। सर्दियों में छह माह बंद रहने के बाद सुबह पूरे विधि विधान के साथ केदारनाथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए फिर खोल दिए गए जहां पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गई। ग्यारह हजार फुट से अधिक की उंचाई पर रुद्रप्रयाग जिले में स्थित ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग के कपाट विशेष पूजा अर्चना के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सुबह आठ बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी पत्नी गीता के साथ इस मौके पर उपस्थित थे। मंदिर के कपाट खोले जाने की प्रक्रिया सुबह पांच बजे शुरू हुई। इसके बाद, मंदिर के रावल भीमाशंकर लिंग, पुजारी टी गंगाधर, मुख्यमंत्री धामी, विधायक आशा नौटियाल, पुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती ने पूजा की।

सेहत से हो रहा ऐसा खिलवाड़

बुखार, बीपी-शुगर जैसी बीमारियों की 141 दवाएं क्वालिटी टेस्ट में फेल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के दवा बाजार में उस वक्त हड़कंप मच गया जब केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की ताजा रिपोर्ट में 141 दवाओं के सैंपल गुणवत्ता परीक्षण में फेल पाए गए। इस लिस्ट में बुखार, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी रोजमर्रा की बीमारियों की दवाएं शामिल हैं। सेहत के साथ होने वाले इस बड़े खिलवाड़ ने फार्मा कंपनियों की मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रिया और सरकारी निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की ओर से मार्च के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देशभर में बनी कई दवाओं की गुणवत्ता पर फिर सवाल उठे हैं। 141 दवाओं के सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं, जिनमें, कफ सिरप व इंजेक्शन शामिल हैं। इनमें दिल, मिर्गी, ब्लड प्रेशर और शुगर जैसी गंभीर बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ड्रग कंट्रोलर ने न केवल इन दवाओं को असुरक्षित घोषित किया है, बल्कि कंपनियों को बाजार से तुरंत अपना स्टॉक वापस मंगाने के कड़े निर्देश भी जारी किए हैं।

जांच में देशभर में बनी 141 दवाओं के सैंपल फेल हो गए हैं। इनमें से 46 दवाएं हिमाचल प्रदेश के बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़, कालाअंब, ऊना, और सोलन में मैन्युफैक्चर की गई हैं। इनमें सिर दर्द, पेट दर्द, उच्च रक्तचाप, शुगर, अल्सर, और अन्य संक्रामक बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश को अक्सर देश का फार्मा हब कहा जाता है, लेकिन बार-बार दवाओं के सैंपल फेल होना काफी चिंताजनक है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग और ड्रग कंट्रोलर डिपार्टमेंट हर बार सख्ती के दावे करते हैं, लेकिन घटिया दवाओं पर नियंत्रण लगाना चुनौती बना हुआ है। कुल मिलाकर, दवाओं के सैंपलों का इतनी बड़ी संख्या में फेल होना जनस्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है। हालांकि सरकार ने संबंधित कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर सख्त कार्रवाई की बात कही है, लेकिन आम उपभोक्ताओं को भी दवा खरीदते समय जागरूक रहने की जरूरत है। विशेषज्ञों की सलाह है कि मरीज केवल पंजीकृत डॉक्टरों के परामर्श पर और भरोसेमंद मेडिकल स्टोर से ही दवाएं लें। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दोषी कंपनियों पर क्या दंडात्मक कार्रवाई की जाती है, ताकि भविष्य में दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो सके।

खास बातें

- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने जारी किया अलर्ट

गंभीर बीमारियों की दवाएं भी प्रभावित

इस लिस्ट में निमोनिया, अल्सर, डायबिटीज, किडनी, बीपी और कफ सिरप जैसे रोगों की दवाएं शामिल हैं। चिंता की बात यह है कि कैंसर और हार्ट रोग जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं के सैंपल भी फेल पाए गए हैं। सीडीएससीओ द्वारा जारी किए गए मार्च के ड्रग अलर्ट में इन दवाओं को 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अधिकारियों ने इन दवाओं के स्टॉक को वापस मंगाने के आदेश भी दिए हैं।

इन राज्यों में दवाइयों का उत्पादन

- हिमाचल प्रदेश : सबसे ज्यादा 47 सैंपल (सोलन, बद्दी और ऊना की कंपनियों से)।
- उत्तराखंड : यहां की कंपनियों के भी कई सैंपल फेल हुए हैं।
- मध्य प्रदेश और राजस्थान : इंदौर और जयपुर स्थित कंपनियों की दवाएं भी सूची में शामिल हैं।

कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई

ड्रग कंट्रोलर ने संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी कर दिया है। जिन दवा कंपनियों के सैंपल गुणवत्ता के मानकों पर खरे नहीं उतर पाए, उनके खिलाफ ड्रग एंड कास्मेटिक एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम स्वास्थ्य विभाग और ड्रग कंट्रोलर विभाग द्वारा उठाया जा रहा है ताकि गुणवत्ता की समस्याओं को दूर किया जा सके।

क्या है ड्रग एंड कास्मेटिक एक्ट?

ड्रग एंड कास्मेटिक एक्ट के तहत ये कंपनियां दवाओं के निर्माण और बिक्री में मानकों का पालन करने के लिए बाध्य हैं। किसी भी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई में लाइसेंस निलंबन या रद्द कर देना और जुर्माना लगाना शामिल हो सकता है। इससे कंपनियों को दवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

जमीन का बंटवारा मांगा तो छोटे ने बड़े भाई को जिंदा जला दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जमीन बंटवारे को लेकर हुए विवाद में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई को धान से भरे कमरे में पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। जिले के बागबाहरा थाना क्षेत्र के आमगांव में मंगलवार देर शाम हुई इस घटना में बड़े भाई की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी फरार है। पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले को विवेचना कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मरार कसहीबाहरा निवासी मालती साहू ने दर्ज रिपोर्ट में बताया है कि कृष्णकांत का जमीन बंटवारे को लेकर परिजनों से काफी दिनों से विवाद चल रहा था। मंगलवार को कृष्णकांत दुबे और प्रार्थिया आमगांव पहुचे थे। इस दौरान छोटे भाई दौलत से जमीन बंटवारा की बात कहने पर विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ने एक दूसरे पर हमला बोल दिया। छोटे ▶▶|शेष पेज 4 पर

- मामला महासमुंद जिले के बागबाहरा अंतर्गत ग्राम आमगांव का

शादी करने वाला था कृष्णकांत

रिपोर्ट के मुताबिक मालती साहू ने पुलिस को बताया कि करीब 10 माह पूर्व कृष्णकांत दुबे से उसका परिचय हुआ था। तब से वह और कृष्णकांत दुबे पति-पत्नी के रूप मे रायपुर में रह रहे थे। वह कुछ दिनों बाद कृष्णकांत से शादी करने वाली थी। प्रार्थिया के अनुसार कृष्णकांत दुबे ने उसे बताया था कि उसकी पैतृक जमीन ग्राम आमगांव में है, जहां उसकी मां तीरथ दुबे एवं छोटा भाई दौलत दुबे रहकर जमीन की देखरेख करते हैं।

प्रतिवेदन एवं नामांतरण के लिए 25 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

पटवारी प्रतिवेदन देने के नाम पर किसान से 25 हजार रूपए की मांग करने वाले पटवारी को एसीबी की टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सूरजपुर जिलान्तर्गत ग्राम नरहटा निवासी रूप सिंह एवं उनकी बहन के स्वामित्व की भूमि ग्राम प्रतापपुर उप तहसील अंतर्गत ग्राम सेंधोपारा में स्थित है। एसईसीएल द्वारा जरही स्थित महामाया कोयला खदान के लिए दोनों की भूमि का अधिग्रहण किया गया है। एसईसीएल द्वारा अधिग्रहित भूमि के एवज में प्रभावित किसानों के परिजन को मुआवजा के साथ ही नौकरी देने का प्रावधान है। रूप सिंह ने स्वयं एवं अपनी बहन की नौकरी के लिए खदान प्रबंधन से संपर्क किया तो अधिकारियों ने उसे भूमि का नामांतरण कराने एवं पटवारी प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए कहा। रूप सिंह ने हल्का पटवारी सौरभ गोस्वामी से संपर्क किया तो उसने 25 हजार रूपए की मांग की। काफी कोशिशों के बावजूद 25 हजार रूपए लिए बिना नामांतरण एवं प्रतिवेदन देने के लिए पटवारी तैयार नहीं हुआ तो रूप सिंह ने मामले की शिकायत एसीबी से की। एसीबी ने मामले की सत्यता का परीक्षण कराया तो मामला ▶▶|शेष पेज 4 पर

- एसीबी ने की कार्रवाई

बंगाल और तमिलनाडु में आज मतदान

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में कल 16 जिलों की 152 सीटों पर विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान होगा। इस चरण में 1478 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। उधर, तमिलनाडु में भी कल राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में मतदान होगा। राज्य में 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। तमिलनाडु में एक ही चरण और पश्चिम बंगाल में पहले चरण का विधानसभा चुनाव प्रचार कल समाप्त हो गया। तमिलनाडु की मुख्य चुनाव अधिकारी अर्चना पटनायक ने कहा है कि राज्य में गुरुवार को होने वाले चुनाव की सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

चुनाव से ठीक पहले खरगे को ईसी का नोटिस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के चुनावी माहौल में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आतंकवादी वाली टिप्पणी ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। चुनाव आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए खरगे के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। भारतीय चुनाव आयोग ने बुधवार को मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवादी कहे जाने पर गहरा संज्ञान लिया और मामले में नोटिस जारी किया।

पीएम मोदी को आतंकी कहने पर फंसे कांग्रेस प्रमुख

खरगे ने क्या टिप्पणी की थी?

विवाद की शुरुआत मंगलवार को चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुई। खरगे ने पेरियार और सी.एन. अन्नादुराई की द्रविड़ विचारधारा का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि अन्नाद्रमुक के लोग मोदी के साथ कैसे जा सकते हैं। इसी दौरान उन्होंने कहा था कि ये अन्नाद्रमुक के लोग... वे मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वह एक आतंकवादी हैं। वह समानता में विश्वास नहीं करते।

भाजपा ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को निर्वाचन आयोग पहुंचा और उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की 'आतंकवादी' संबंधी टिप्पणी के लिए उनके (खरगे) खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस प्रतिनिधिमंडल में निर्मला सीतारमण समेत तीन केंद्रीय मंत्री शामिल थे। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में सीतारमण ने कहा, आज हम आयोग के समक्ष उपस्थित हुए ताकि उसका ध्यान इस ओर आकर्षित किया जा सके कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति ने इतने निंदनीय शब्दों का प्रयोग किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि चुनावी राज्य तमिलनाडु में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए खरगे ने प्रधानमंत्री को ''आतंकवादी'' कहा जो अत्यंत निंदनीय है।

जांच के दौरान मुख्यमंत्री का हस्तक्षेप लोकतंत्र को खतरे में डालने जैसा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कोलकाता में 'आई-पैक' कार्यालय पर ईडी द्वारा की गई छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कथित तौर पर बाधा डाले जाने के मामले की बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने गहन पड़ताल की और कहा कि यदि कोई मुख्यमंत्री जांच में हस्तक्षेप करता है तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाता है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एन वी अंजारी की पीठ ने कहा, यह केंद्र और राज्य के बीच का विवाद नहीं है। किसी भी राज्य का कोई भी मुख्यमंत्री किसी जांच या छानबीन के बीच में आकर लोकतंत्र को खतरे में डालता है और फिर आप कहते हैं कि यह केंद्र और राज्य के बीच का विवाद है।

- आई-पैक विवाद में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

कोर्ट ने की थी पूछताछ

सुप्रीम कोर्ट ने 24 मार्च को पश्चिम बंगाल सरकार से ईडी की याचिका के गुण-दोष पर उसकी आपत्ति के संबंध में पूछताछ की थी। कोर्ट ने कहा था कि कुछ ईडी अधिकारियों ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में याचिकाएं दायर कर यह जानना चाहा था कि क्या वे केवल एजेंसी के अधिकारी होने के कारण भारत के नागरिक नहीं रह गए हैं।

शरीर के भीतर कोई बीमारी पनप रही है, इसकी जांच के लिए अलग-अलग टेस्ट तो किए ही जाते हैं। लेकिन अगर ध्यान दें तो आंखों से भी कई तरह के हेल्थ इंडिकेशंस मिल सकते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

आंखें देती हैं हेल्थ इंडिकेशंस

एलर्टनेस

डॉ. मधुस्मिता बेहेरा
नेत्र रोग विशेषज्ञ

हमारी आंखें, शारीरिक स्वास्थ्य की खिड़की जैसी होती हैं। इसलिए सेहत पर नजर रखने के लिए समय-समय पर नेत्र रोग विशेषज्ञ को जरूर दिखाते रहें। आंखों के पिछले हिस्से यानी रेटिना से चिकित्सक को आपकी नर्व्स और ब्लड वेसल्स का हाल पता चल जाता है। इनका बारीकी से मुआयना करने पर कई खतरनाक रोगों का शुरुआती चरण में ही पता चल जाता है, जिससे समय पर इलाज शुरू करवा कर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

ब्रेन हेल्थः आंखों की पुतली और ऑप्टिक नर्व सीधे मस्तिष्क से जुड़ी होती हैं, जिससे ट्यूमर या अल्जाइमर जैसी स्थितियों का संकेत मिल सकता है। आंखों के पीछे रेटिना में वसा और कैल्शियम के छोटे जमाव अल्जाइमर रोग का संकेत हो सकते हैं। शोध के अनुसार, दृष्टि में बदलाव डिमेंशिया के निदान से कई साल पहले आ सकते हैं।

ब्रेन ट्यूमरः आंखों की जांच के दौरान ऑप्टिक नर्व (दृष्टि तंत्रिका) में सूजन या दबाव का पता चल सकता है, जो मस्तिष्क में ट्यूमर का संकेत हो सकता है।

हृदय रोगः पलकों के आस-पास वसा जमा होना या रक्त वाहिकाओं की स्थिति हृदय संबंधी जोखिमों को दर्शा सकती है। फ्लोरिडा (अमेरिका) की नोवा साउथ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ ऑप्टोमेट्री आई केयर इंस्टीट्यूट के एसोसिएट प्रोफेसर और नेत्र रोग विशेषज्ञ जोसेफ पिजिमेंटी कहते हैं कि हम आंखों के चेकअप से ब्रेन ट्यूमर और ब्रेस्ट कैंसर से लेकर लंग्स कैंसर तक का पता लगा सकते हैं जिनका प्रभाव आंखों तक पहुंच जाता है। नेत्र रोग विशेषज्ञ मरीज की दृष्टि में आए परिवर्तन की जांच करके ब्रेन ट्यूमर की आशंका का पता लगा सकते हैं।

डायबिटीजः टाइप 2 डायबिटीज के शुरुआती संकेतों में से एक है रेटीना में मामूली मात्रा में ब्लीडिंग होना, जो डायबिटिक रेटीनोपैथी का लक्षण है। इसका समय पर इलाज शुरू न किया जाए, तो मरीज अपनी दृष्टि पूरी तरह खो सकता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी का शुरुआती चरण में पता चल जाए तो जीवनशैली में बदलाव लाकर, पौष्टिक भोजन के माध्यम से और वजन घटाकर दृष्टिहीनता के खतरे को कम किया जा सकता है।

उच्च रक्तचापः न्यूयॉर्क (अमेरिका) की विल कोर्नेल मेडिकल कॉलेज में ऑफ्थेल्मोलॉजी की प्रोफेसर जेसिका सिराल्सकी कहती हैं, ब्लड वेसल्स को पहुंची क्षति, धमनियों में सिकुड़न और उनका कमजोर होना आदि उच्च रक्तचाप की निशानी हो सकते हैं। अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक रेटीना की छोटी ब्लड वेसल्स का संकरा होना हार्ट डिजीज का संकेतक हो सकता है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिसः अमेरिकन ऑप्टोमेट्रिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मिटशेल मुनसोन बताते हैं कि ऑप्टिक नर्व का इनफ्लेमेशन यानी ऑप्टिक न्यूराइटिस, मल्टीपल स्क्लेरोसिस का शुरुआती लक्षण हो सकता है। मल्टीपल स्क्लेरोसिस के 75 फीसदी मरीजों में ऑप्टिक न्यूराइटिस होता है। लेकिन ऑप्टिक न्यूराइटिस का मतलब यह जरूरी नहीं कि मरीज को एमएस डिजीज भी हों, यह किसी अन्य कारण से भी हो सकता है।

रूमेटाइड आर्थराइटिसः विशेषज्ञ बताते हैं कि रूमेटाइड आर्थराइटिस के 25 फीसदी मरीजों में आंखों की समस्या भी पाई जाती है। जिनमें ड्राई आइज की समस्या सबसे आम है। अगर किसी मरीज की आइरिस में साल में दो बार दर्द और इन्फ्लेमेशन की शिकायत हो, तो उसमें रूमेटाइड आर्थराइटिस की संभावना होती है।

कहने का सार है कि आपको अपनी आंखों की रेग्युलर जांच करानी चाहिए। *

प्रस्तुतिः अंजू जैन

हेल्थ सजेशन

शिखर चंद जैन

स्वस्थ, ऊर्जावान और दीर्घायु जीवन की कामना लगभग सभी लोग करते हैं। लेकिन इसके लिए अपनी जीवनशैली में किन बातों को अमल में लाना जरूरी होता है, इस बारे में कम लोग ही जानते हैं। विभिन्न अध्ययनों पर आधारित हम यहां दस ऐसे कारगर सूत्रों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप लंबे समय तक स्वस्थ, ऊर्जावान जीवन जी सकते हैं।

10 स्वस्थ जीवन के लिए अपनाएं सरल-कारगर सूत्र

सभी हेल्थ एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि स्वस्थ-निरोगी तन और दीर्घायु जीवन रातों-रात प्राप्त नहीं किया जा सकता है। बल्कि यह हमारे रोजमर्रा की जीवनशैली में शामिल छोटी-छोटी अच्छी आदतों का परिणाम होता है। आपकी जीवनशैली और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधा संबंध होता है। आधुनिक विज्ञान यह साबित कर चुका है कि हमारी दैनिक आदतें हमारे जीन से भी ज्यादा प्रभावशाली हो सकती हैं। वैज्ञानिक शोधों के आधार पर यहां 10 ऐसी हैबिट्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपका अच्छा स्वास्थ्य तय करते हैं। यानी इन सूत्रों पर अमल करके आप स्वस्थ और ऊर्जावान बने रह सकते हैं।

प्लांट-बेस्ड डाइट को अपनाएं

दुनिया में मौजूद 'ब्लू जोन' (जहां रहने वाले लोग सबसे ज्यादा जीते हैं) पर किए गए अध्ययनों से पता चला है कि फल, सब्जियां और साबुत अनाज आधारित भोजन, कैंसर और हृदय रोगों को दूर रखता है। इसके लिए आपके भोजन की थाली का आधा हिस्सा फलों और सब्जियों से भरा होना चाहिए। साबुत अनाज (ओट्स, ब्राउन राइस) और बींस (दालें, मटर, लोबिया) को भी अपने आहार में शामिल करना लाभकारी होता है। पशु उत्पादों (मांस, डेयरी) को अपने आहार में कम शामिल करें, पूरी तरह बंद करना अनिवार्य नहीं है। प्रोसेस्ड फूड के सेवन से बचें और साबुत खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें।

सर्केडियन रिदम रखें सही

सर्केडियन रिदम यानी शरीर की आंतरिक 24 घंटे एक्टिव रहने वाली घड़ी। यही हमारे सोने-जागने, हार्मोन स्तर, मेटाबॉलिज्म और तापमान को नियंत्रित करके स्वास्थ्य को बनाए रखती है। यह रात में मेलाटोनिन जारी कर अच्छी नींद, दिन में ऊर्जा और शरीर को रिपेयर करने में मदद करती है, जिससे तनाव कम होता है और शुगर/बी.पी. जैसी बीमारियों का जोखिम घटता है। शोध बताते हैं कि शरीर की आंतरिक घड़ी के अनुसार जागना और सोना मेटाबॉलिज्म को ठीक रखता है। समय पर सोने से हृदय रोग और डायबिटीज का खतरा कम होता है।

तनाव प्रबंधन है बहुत जरूरी

अच्छे जीवन के लिए तनाव प्रबंधन भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन, शरीर में कोर्टिसोल के स्तर को कम करके, रक्तचाप को नियंत्रित रखकर और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखता है। नियमित व्यायाम, पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद और योग/ध्यान के माध्यम से तनाव प्रबंधन किया जा सकता है। यह अनिद्रा और थकान को दूर करता है, जिससे हृदय रोग और पुरानी बीमारियों का जोखिम कम होता है। लंबे समय तक तनाव रहने से 'कार्टिसोल' नामक हार्मोन का स्तर बढ़ता है। रिसर्च कहती है कि ध्यान और योग क्रॉनिक इंफ्लेमेशन को कम करते हैं।

अच्छी हो नींद की गुणवत्ता

'नेशनल स्लीप फाउंडेशन' के अनुसार, डेली 7-9 घंटे की गहरी नींद मस्तिष्क से विषाक्त पदार्थों को साफ करती है, जिससे अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। अच्छी नींद की गुणवत्ता शारीरिक मरम्मत, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन के लिए अनिवार्य है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है, तनाव वाले हार्मोन के स्तर को कम करती है, याददाश्त बढ़ाती है और वजन प्रबंधन में मदद करती है। बिना रुकावट वाली गहरी नींद, आपको ऊर्जावान बनाए रखने और पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए भी जरूरी है।

सक्रिय जीवनशैली को अपनाएं

अच्छी हेल्थ के लिए सक्रिय जीवनशैली भी बहुत मायने रखती है। 'हार्वर्ड हेल्थ' (हार्वर्ड मेडिकल स्कूल) के अनुसार, रोजाना 30 मिनट की वॉकिंग दीर्घायु होने में सहायक हो सकती है। व्यायाम न केवल वजन घटाता है, बल्कि एंडोर्फिन नामक हार्मोन जारी करता है, जो मानसिक स्वास्थ्य सुधारता है। सक्रिय जीवनशैली, हृदय के स्वास्थ्य, वजन नियंत्रण और मानसिक मजबूती बढ़ाकर शरीर को स्वस्थ रखती है। यह हृदय रोगों, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को कम करती है। इसके साथ ही मांसपेशियों/ हड्डियों को मजबूत बनाकर जीवन प्रत्याशा में वृद्धि भी करती है।

स्क्रीन टाइम ना हो अनलिमिटेड

अत्यधिक मोबाइल का उपयोग मानसिक थकान और आंखों की समस्याओं की वजह बन सकता है। कई शोध बताते हैं कि आज के समय में डिजिटल डिटॉक्स जरूरी हो गया है। स्क्रीन एडिक्शन के बजाय नेचर के करीब समय बिताने से ब्लड प्रेशर तुरंत कम होता है। स्क्रीन का कम उपयोग दिमाग को शांत करता है, जिससे किसी काम में ध्यान (फोकस) बेहतर होता है। आंखों की सुरक्षा के लिए हर 20 मिनट के बाद 20 सेकेंड के लिए 20 फीट दूर देखने (20-20-20 नियम) से आंखों का सूखापन और तनाव कम होता है। स्क्रीन-मुक्त समय में टहलने, योग करने या हॉबी अपनाने से शारीरिक गतिविधि बढ़ती है और मोटापा कम होता है। भोजन के समय या बेडरूम में फोन का उपयोग न करने से परिवार और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का अवसर मिलता है, इससे आपको खुशी मिलती है।

सामाजिक जुड़ाव है बहुत जरूरी

'हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट' (करीब 80 साल तक चली स्टडी) में पाया गया कि अच्छे रिश्ते हमें खुश और स्वस्थ रखते हैं। अकेलापन, धूम्रपान जितना ही हानिकारक होता है। सामाजिक जुड़ाव मानसिक तनाव, अवसाद और चिंता को कम करके, दीर्घकालिक बीमारियों का जोखिम घटाकर और स्वस्थ व्यवहारों (जैसे व्यायाम, अच्छी नींद) को बढ़ावा देकर स्वास्थ्य में सुधार करता है। परिवार और दोस्तों के साथ मजबूत रिश्ते सकारात्मक भावनाएं, जीवन में उद्देश्य प्रदान करते हैं, जिससे मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

हाइड्रेशन लेवल ना हो कम

अच्छे स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी आवश्यक होता है। ऐसा करना गुर्दे यानी किडनी की कार्यक्षमता और ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है। शोध बताते हैं कि सही मात्रा में हाइड्रेशन, त्वचा और पाचन के लिए भी अनिवार्य है। यह शारीरिक तापमान को नियंत्रित करता है, जोड़ों को चिकनाई प्रदान करता है, पोषक तत्वों का परिवहन करता है, ऊर्जा स्तर बनाए रखता है और पाचन में मदद करता है। रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी स्वस्थ रहती है और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते रहते हैं।

गट हेल्थ हो सही

अच्छी हेल्थ और गट हेल्थ के रिलेशन पर किया गया हालिया रिसर्च, 'गट-ब्रेन एक्सिस' पर जोर देता है। प्रो-बायोटिक्स और फाइबर युक्त भोजन हमारे इम्यून सिस्टम को 70-80 प्रतिशत तक नियंत्रित करते हैं। इसलिए गट हेल्थ पर ध्यान दिया जाना जरूरी है।

नशीले पदार्थों से रहें दूर

प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' की रिपोर्ट के अनुसार, शराब, तंबाकू या किसी भी अन्य नशीले पदार्थ का सेवन किसी भी स्तर पर सुरक्षित नहीं है। यह सीधे तौर पर डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं, जो आगे चलकर गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है। इसलिए स्वस्थ और दीर्घायु जीवन के लिए किसी भी नशीले पदार्थ का किसी भी रूप में सेवन हानिकारक हो सकता है। यहां बताई गई बातों को अपनी जीवनशैली में अपनाकर निश्चित ही आप स्वस्थ और दीर्घायु जीवन जी सकते हैं। *

डिजीज

डॉ. अनुराग अग्रवाल
क्लिनिकल डायरेक्टर
ऑर्थोपेडिक्स, ज्वॉइंट रिप्लेसमेंट
मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद

लगभग एक हजार बच्चों में से एक को हिप ज्वाइंट से जुड़ा डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया रोग होता है। इसमें बच्चे की मूवमेंट प्रभावित हो सकती है। समय पर ट्रीटमेंट न कराने पर प्रॉब्लम बढ़ सकती है। इस बारे में डिटेल में जानिए।

डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप बच्चे के मूवमेंट को करता है प्रभावित

हाल ही में फिल्म एक्टर वरुण धवन की 2 साल की बेटी के एक फिजिकल प्रॉब्लम से उबरने की खबर सामने आई। उनकी बेटी डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप (डीडीएच) नामक विकार से जूझ रही थी, जो अब उपचार के बाद ठीक है।

क्या है यह रोगः डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप, बच्चों के हिप सॉकेट या कूल्हे के जोड़ में होने वाली विकृति है। इसे हिप डिसप्लेसिया भी कहा जाता है। जोड़ शरीर का वह हिस्सा होता है, जहां दो हड्डियां आपस में मिलती हैं। हिप का जोड़ जांघ की हड्डी (फीमर) और पेल्विस के बीच का जुड़ाव बिंदु होता है। डीडीएच में हिप का जोड़ नॉर्मल स्वस्थ जोड़े की तरह विकसित नहीं हो पाता और काफी उथला या ढीला हो जाता है। फीमोरल हेड बॉल (फीमर का ऊपरी भाग) पेल्विस में मौजूद हिप सॉकेट (एसीटैबुलम) में सही तरीके से फिट नहीं हो पाता और बाहर निकलने लगता है। जिसकी वजह से मरीज का हिप-लक्सेशन शुरू हो जाता है यानी हिप अपनी जगह से खिसक जाती है। जांघ के अंदरूनी हिस्से-ग्रोइन में सामान्य से ज्यादा गहरे स्किन-फोल्ड या क्रीज बन जाती हैं। पैर के बाहर की तरफ खोलने का मूवमेंट रुक जाता है। जिस पैर में यह दिक्कत होती है, वो पैर थोड़ा छोटा हो सकता है। बच्चे को हिप में अकड़न-सी महसूस होती है, मूवमेंट करने पर हिप के अंदर चटकने या क्लिक की आवाज आती है।

क्या होता है असरः डीडीएच डेवलपमेंटल डिसऑर्डर है, जो बचपन में ही हो जाता है। ध्यान न देने पर धीरे-धीरे समस्या बढ़ती जाती है। बच्चे को क्रॉनिक दर्द रहता है। उसके हिप के मूवमेंट बहुत कम हो जाते हैं। पैर छोटे-बड़े हो जाने पर बच्चे को चलने-फिरने में दिक्कत आती है। नजरअंदाज करने पर बड़े होने पर बच्चे को हिप ऑस्टिओअर्थराइटिस हो सकता है। यानी हिप खराब होने और चाल में स्थाई रूप से लंगड़ापन आने की संभावना रहती है। जबकि सही ढंग से उपचार होने पर बच्चा सामान्य जीवन जी सकता है।

समस्या के कारणः इस समस्या के कई कारण हो सकते हैं।

- आनुवांशिक, जेनेटिक फैक्टर्स की वजह से होता है।
- ब्रीच पाश्जीशन/उल्टे पैदा हुए बच्चे जो जन्म के समय सिर के बजाय हिप्स के माध्यम से पैदा होते हैं।
- प्री-मैच्योर पैदा हुए बच्चे।
- पैरेंट्स की गलत आदतें जैसे बच्चे को उठाते या सुलाते समय बच्चे के पैर सीधे करके हिप्स को चादर, टावल या कंबल से कसकर बांधना।

किन्हें है खतराः लड़कियों में लड़कों की अपेक्षा 80 प्रतिशत मामले ज्यादा होते हैं। पहली संतान को ज्यादा खतरा रहता है।

न करें नजरअंदाजः पैरेंट्स को इसके कोई भी लक्षण नजर आएं, तो डॉक्टर से कंसल्ट कर उपचार कराना चाहिए। बच्चे का पैरों की लंबाई या जांघों के आस-पास ग्रोइन एरिया के स्किन-फोल्ड असमान दिखाई दें, हिप के आस-पास हाथ लगाने पर कोई आवाज सुनाई दे या हिप के मूवमेंट प्रॉपर न हों या मूवमेंट सामान्य से कुछ कम लगे।

कैसे होता है डायग्नोजः डीडीएच को कंफर्म करने के लिए डॉक्टर बच्चे का हिप एब्डेक्शन टेस्ट या बार्लोस-मैनुअल टेस्ट करते हैं। साथ ही हिप फीमर की स्थिति की जांच के लिए 4-6 महीने के बच्चे का अल्ट्रासाउंड और बड़े बच्चे का एक्स-रे टेस्ट भी कराया जाता है।

क्या है उपचारः इस रोग का उपचार बच्चे की उम्र और समस्या की गंभीरता पर निर्भर करता है। 6 महीने से छोटे बच्चे का हिप हाथ लगाने पर अगर अंदर की तरफ रिड्यूस हो रहा है, तो बच्चे को पेल्विक हार्नेस ब्रेस लगाया जाता है। जो बच्चे के हिप्स को बाहर की तरफ फैलाकर और घुटनों को मोड़कर रखता है। हिप पर प्रेशर पड़ने से धीरे-धीरे रिड्यूस होकर स्टेबल हो जाता है। पेल्विस में एसीटैबुलम सॉकेट सही पोजीशन में आ जाता है, जिसमें फीमर हेड आसानी से फिट हो जाता है। शुरू में ब्रेस पूरे टाइम के लिए लगाया जाता है, कुछ टाइम बाद सिर्फ रात को लगाने के लिए कहा जाता है। अगर बच्चा 6 महीने से बड़ा है और हिप सही पोजीशन में नहीं जा पा रहा हो तो ऐसी स्थिति में हिप-रिडक्शन सर्जरी की जाती है और कुछ समय के लिए हिप स्पाइका कास्ट प्लास्टर लगाया जाता है। इस तरह की सर्जरी से पहले हिप को रिड्यूस करके सही पोजीशन में लाया जाता है। कुछ समय बाद यह फिट हो जाता है।

रखें ध्यानः बच्चे को डीडीएच की समस्या से बचाने के लिए पैरेंट्स को यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

- पैदा होने पर बच्चे के हिप्स को बहुत ज्यादा कसकर नहीं बांधें, ताकि बच्चा अपने घुटने को किक करने वाले मूवमेंट को आराम से कर सके।
- बच्चे के पैरों को लंबे समय तक जबरदस्ती सीधे करके नहीं रखें। हिप और घुटने का मूवमेंट होते रहना बहुत जरूरी है।
- बच्चे को उठाते समय ध्यान रखें कि बच्चा फ्रॉग और एम पोजीशन में रहे ताकि बच्चे का हिप्स और हिप सॉकेट एसीटैबुलम ठीक पोजीशन में हो।
- बच्चे को सीट पर बिठाते समय ध्यान रखें कि उसके घुटने-हिप्स के ऊपर हों।
- बच्चों के चलने-फिरने और फिजिकल ग्रोथ पर नजर रखें। किसी भी तरह की असामान्यता नजर आने पर यथाशीघ्र मेडिकल सलाह लें। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

टीएमसी का दावा, आयोग का इंकार

नंदीग्राम में केंद्रीय बलों ने किया लोगों पर हमला!

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में केंद्रीय बलों के जवानों ने स्थानीय लोगों

पर अत्यधिक बल का प्रयोग किया। हालांकि, निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि शिकायत की जांच की गई, लेकिन ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई। तृणमूल ने आरोप लगाया कि निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए तैनात सीआरपीएफ कर्मियों ने 21 अप्रैल को बिना किसी उकसावे के स्थानीय लोगों पर हमला करके 'अपने पद का घोर दुरुपयोग' किया, जिसके परिणामस्वरूप लोगों को चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पार्टी ने शिकायत के साथ घायल व्यक्तियों की कथित तस्वीरें भी जमा कीं।

विधानसभा चुनाव
पश्चिम बंगाल में पहले चरण व तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर आज होगा मतदान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बंगाल में पहले चरण की इन 152 सीटों पर 2021 के चुनाव परिणामों को देखें तो मुकाबला बेहद दिलचस्प रहा था। उत्तर बंगाल भाजपा का गढ़ रहा है। साल 2021 में बीजेपी ने यहां की 54 में से 30 से अधिक सीटें जीतकर टीएमसी को बड़ा झटका दिया था। दार्जिलिंग और अलीपुरद्वार में बीजेपी का क्लीन स्वीप जैसा माहौल था। मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों में हालांकि टीएमसी ने 2021 में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। इस बार ममता बनर्जी का लक्ष्य उत्तर बंगाल में सेंध लगाना और जंगलमहल में अपना खोया हुआ जनाधार वापस पाना है।

बंगाल में शुभेंदु, अधीर, दिलीप की दांव पर प्रतिष्ठा तमिलनाडु में स्टालिन के भाग्य का होगा फैसला

पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव का पहला अध्याय कल यानी 23 अप्रैल को लिखा जाएगा। प्रथम चरण के तहत 152 सीटों पर होने वाला यह मतदान तय करेगा कि 2026 में राइटर्स बिल्डिंग (नबन्ना) की चाभी किसके पास होगी। प्रथम चरण में कई हाई प्रोफाइल नेताओं के भाग्य का फैसला होगा। इधर, तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीट पर भी 23 अप्रैल को मतदान है। यहां डीएमके चीफ व मौजूदा सीएम एमके स्टालिन लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल करने की जंग लड़ रहे हैं। बीजेपी के परिसीमन विधेयक के खिलाफ डीएमके ने अलग ही सियासी माहौल बना दिया है तो बीजेपी महिला आरक्षण को लेकर राजनीतिक एजेंडा सेट कर रही। स्टालिन के लिए सत्ता विरोधी लहर से निपटना चुनौती है, लेकिन जाति और जमीनी स्तर पर चुनावी समीकरण से माहौल को बदलने की कवायद में है।

100% बूथों पर होगी वेबकास्टिंग, आयोग दिल्ली से भी देख सकेगा लाइव फुटेज

पश्चिम बंगाल में 2,407 कंपनियां लगभग 2.4 लाख जवान तैनात

शुभेंदु अधिकारी

अधिरंजन चौधरी

दिलीप घोष

एमके स्टालिन

तमिलनाडु में त्रिकोणीय संघर्ष के आसार

तमिलनाडु में एमके स्टालिन लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल करने की जंग लड़ रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने कांग्रेस ही नहीं बल्कि डीएमडीके जैसे दल के साथ भी हाथ मिला रखा है। इसके अलावा लेफ्ट और अन्य क्षेत्रीय दलों को साथ ले रखा है। स्टालिन अपनी कल्याणकारी योजनाओं और 'द्रविड़ पहचान' के दम पर सत्ता बचाने की कवायद में है। एआईडीएमके और भाजपा मिलकर ग्रामीण और पश्चिमी बेल्ट (कोंगु क्षेत्र)में सेंध लगाने की कोशिश में है, लेकिन विजय (टीवीके) और सीमान (एनटीके) जैसे खिलाड़ी उन 'न्यूट्रल' वोटर्स पर नजर गड़ाए हुए हैं जो पुराने द्रविड़ दलों से ऊब चुके हैं। विजय के पास जबरदस्त फैन फॉलोइंग है और उन्हें अच्छे वोट शेयर मिलने का पूरा भरोसा है। ऐतिहासिक रूप से, तमिलनाडु में डीएमके और एआईएडीएमके के बीच मुकाबला रहा है। यह कहना मुश्किल है कि विजय की पार्टी इसे बदल पाएगी या नहीं, लेकिन उनके प्रशंसक बहुत बड़ी संख्या में हैं।

ये हैं हाई प्रोफाइल सीट

पिछले चुनाव में पूर्व मेदिनीपुर की नंदीग्राम सीट पर शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को हराया था। इस बार फिर शुभेंदु की प्रतिष्ठा दांव पर है। इसके अलावा, मुख्य रूप से उत्तर बंगाल के कूचबिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और उत्तर-दक्षिण दिनाजपुर की कुल 54 सीटें हैं। जंगलमहल और मध्य बंगाल की मालदा, मुर्शिदाबाद, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर और पूर्व मेदिनीपुर के साथ नंदीग्राम में वोट इसी चरण में डाले जाएंगे। इसके साथ बांकुरा, पुरुलिया, पश्चिम वर्धमान और बीरभूम के कुछ हिस्से में भी वोट डाले जाएंगे। इसके अलावा, पुरुलिया, बांकुरा, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर, और बहरामपुर (अधीर रंजन चौधरी) की सीटें भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। मेदिनीपुर खड़गपुर सदर की विधानसभा सीट भी हाई प्रोफाइल है क्योंकि यहां से प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष फिर से चुनावी ताल ठोक रहे हैं।

कांग्रेस पश्चिम बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी : शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पायेगी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का इस पार्टी से जुड़ाव उन्हें राजनीतिक रूप से और कमजोर करेगा। शाह ने न्यू बैरकपुर के निकट दमदम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि कांग्रेस कई राज्यों में करारी हार की ओर बढ़ रही है।

उन्होंने कहा, 'मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि तमिलनाडु और पुडुचेरी में कांग्रेस दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पायेगी। पश्चिम बंगाल में तो आप अपना खाता भी नहीं खोल पाएंगे और असम में कांग्रेस को अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा।'

राहुल की रैली को अनुमति नहीं टीएमसी पर भड़की कांग्रेस

कोलकाता। कांग्रेस ने पुलिस से अनुमति न मिलने के कारण राहुल गांधी की 23 अप्रैल को कोलकाता और श्रीरामपुर में होने वाली रैलियों को रद्द करने के एक दिन बाद बुधवार को पुलिस अधिकारियों से मंजूरी मिलने के बाद उन्हें 25 अप्रैल के लिए पुनर्निर्धारित कर दिया। पार्टी ने आरोप लगाया था कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के इशारे पर रैलियों की अनुमति नहीं दी गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभांकर सरकार ने दावा किया कि गांधी की हालिया रैलियों को मिली जोरदार प्रतिक्रिया से तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों 'घबरा' गई है। 'राहुल की पहली रैली कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में और दूसरी रैली 25 अप्रैल को हुगली जिले के श्रीरामपुर में होगी।'

बंगाल में आयोग ने की 39 लाख लीटर शराब जब्त

दोनों राज्यों में नोट और शराब की बारिश, हजार करोड़ का सामान जब्त

विधानसभा चुनावों की दहलीज पर खड़े तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनावी शुचिता को बनाए रखना चुनाव आयोग के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। मतदान से ठीक एक दिन पहले चुनाव आयोग ने चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें दोनों राज्यों से अब तक 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, शराब, ड्रग्स और मुफ्त उपहार जब्त किए गए हैं। आयोग की सख्त निगरानी और प्रवर्तन एजेंसियों की सक्रियता के कारण यह रिकॉर्ड बरामदगी हुई है। अकेले तमिलनाडु में 599.24 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में यह आंकड़ा 472.89 करोड़ रुपये के करीब है। जब्ती में न केवल नकदी शामिल है, बल्कि भारी मात्रा में शराब, नशीली दवाएं (ड्रग्स) और कीमती धातुएं जैसे सोना-चांदी भी बरामद किए गए हैं।

दोनों राज्यों के आंकड़े

अगर दोनों राज्यों के आंकड़ों पर गौर करें, तो तमिलनाडु में 100.19 करोड़ रुपये की नकदी और 159.31 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं पकड़ी गई हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल में 27.48 करोड़ रुपये नकद और करीब 102.45 करोड़ रुपये की शराब (लगभग 39 लाख लीटर) जब्त की गई है। बंगाल में नशीली दवाओं की जब्ती भी काफी अधिक रही है, जिसकी कीमत 108.11 करोड़ रुपये बताई गई है। दोनों ही राज्यों में सबसे बड़ा हिस्सा 'मुफ्त उपहार' का रहा है, जिनका इस्तेमाल मतदाताओं को लालच देने के लिए किया जाना था। तमिलनाडु में 259.14 करोड़ रुपये और बंगाल में 178.84 करोड़ रुपये के मुफ्त सामान बरामद हुए हैं।

टीवीके पर ऑनलाइन राजनीतिक अभियान चलाने का लगा आरोप

चेन्नई। एक्टर विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के खिलाफ बुधवार को निर्वाचन आयोग में एक औपचारिक शिकायत दर्ज करायी गयी। ऑनलाइन प्रचार अभियान चलाए जाने के कथित प्रयास के लिए कार्रवाई का आग्रह और सोशल मीडिया मंचों से सामग्री को हटाने का अनुरोध करते हुए शिकायत दर्ज करायी गयी। चेन्नई के शिकायतकर्ताओं एल. देवासगयम और पी. आदिकेशवन ने तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक से इस मामले में उचित कानूनों को लागू करने और चुनावी गोपनीयता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ 23 अप्रैल को होने वाले चुनावों के दौरान अवैध गतिविधियों को रोकने का अनुरोध किया है। अलग-अलग शिकायतों में उन्होंने दावा किया कि प्रचार समाप्त होने के बाद भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लागू किए गए 'साइलेंट पीरियड' के दौरान टीवीके 22 अप्रैल को बड़े पैमाने पर ऑनलाइन राजनीतिक अभियान चलाने की योजना बना रहा था। उन्होंने दावा किया कि टीवीके द्वारा अपने पक्ष में डाले जाने वाले वोट की गुप्त रूप से वीडियो बनाकर फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर प्रसारित करने की योजना बनाई जा रही थी जो व्यापक समर्थन की धारणा बनाने समेत अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाना है। यह तर्क दिया गया कि इस तरह की गतिविधियां मतदान की गोपनीयता के लिए सीधा खतरा हैं।

दिल्ली में आप नहीं लड़ेगी महापौर का चुनाव

एजेंसी ▶▶| नयी दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने से एक दिन पहले बुधवार को घोषणा की कि वह दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर का चुनाव नहीं लड़ेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 250 सदस्यीय सदन में 123 पार्षद हैं जबकि आप के 101 पार्षद हैं।

शेष सदस्य आम आदमी पार्टी से अलग हुए गुट - इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी और कांग्रेस के तथा निर्दलीय हैं। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक बयान में कहा कि पार्टी ने महापौर चुनाव में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। पार्टी ने पिछले साल भी महापौर और उप महापौर का चुनाव नहीं लड़ा था। भारद्वाज ने कहा कि चुनाव में भाग नहीं लेकर आम आदमी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि भाजपा एमसीडी में सत्ता में आए और अपनी विफलताओं के माध्यम से बेनकाब हो। उन्होंने दावा किया, 'सभी स्तरों पर सत्ता में होने के बावजूद भाजपा दिल्ली में कोई बदलाव लाने में विफल रही है। भाजपा को काम करना नहीं आता। केवल आम आदमी पार्टी ही काम करना जानती है।' केंद्र के साथ-साथ दिल्ली में भी भाजपा सत्ता में है और एमसीडी पर भी उसका नियंत्रण है। महापौर, उप महापौर और इसकी स्थायी समिति के तीन सदस्यों के लिए चुनाव 29 अप्रैल को होंगे। नामांकन की प्रक्रिया 23 अप्रैल को शाम पांच बजे समाप्त हो जाएगी।

सेंसेक्स 757 अंक फिसला निफ्टी भी नुकसान में बंद

मुंबई। पश्चिम एशिया संकट जारी रहने से कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार में तीन दिनों से जारी तेजी बुधवार को थम गई। सेंसेक्स में करीब 757 अंकों की गिरावट रही जबकि निफ्टी 198 अंक टूट गया। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी और पश्चिम एशिया में लंबे समय तक अस्थिरता की आशंका से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 756.84 अंक टूटकर 78,516.49 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 831.03 अंक तक लुढ़क गया था। इसी तरहनिफ्टी 198.50 अंक यानी 0.81 प्रतिशत गिरकर 24,378.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में 10.85 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। कंपनी के मार्च तिमाही के नतीजे निवेशकों को प्रभावित नहीं कर सके और बिकवाली तेज हो गई। इसके अलावा इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा और

आईसीआईसीआई बैंक भी नुकसान में रहे। निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित : लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा, /"अमेरिका-ईरान वार्ता ठप होने से पश्चिम एशिया में दीर्घकालिक अस्थिरता की आशंका बढ़ने से निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहने से मुद्रास्फीति और मुद्रा स्थिरता पर दबाव बढ़ा है।

छत्तीसगढ शासन
विधि और विधायी कार्य विभाग मंत्रालय
महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.) 492002
फोन नं. 0771-2221346, email-lawdept.cg@gov.in

क्रमांक Comp. No.: 188462/2025/1027/21-ब/छ.ग./26
रायपुर, दिनांक 21/04/2026

निविदा सूचना

राष्ट्रीयकृत बैंको से राज्य के न्यायिक अधिकारियों को SNJPC के अनुशंसा अनुसार एवं इस विभाग के आदेश क्रमांक 324 दिनांक 16.02.2024 के निबंधनधीन वाहन क्रय करने के संबंध में रुपयें दस लाख तक के सुलभ एवं सॉफ्ट ऋण सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। उक्त आशय हेतु सील बंद आवेदन / प्रस्ताव दिनांक 20.05.2026 तक कार्यालय, प्रमुख सचिव, विधि एवं विधायी कार्य विभाग S 2-18, मंत्रालय महानदी भवन में जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

(भूपेन्द्र कुमार वासनीकर)
अतिरिक्त सचिव
छ.ग. शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग

जी. 262700310/2

Public Works Department
OFFICE OF THE SUPERINTANDING ENGINEER, PWD, BILASPUR CIRCLE BILASPUR (C.G.)

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)

No. 12/G/2026-27 Bilaspur, Dated 21.04.2026

Public Works Department (PWD) invites proposal for Planning, development, estimation and Structural design, detailed engineering and related services for the work "RENOVATION AND UP-GRADATION (CIVIL AND ELECTRICAL WORK) OF SANT BABA GURU GHASIDAS MEMORIAL GOVT HOSPITAL BUILDING AT RAIGARH INCLUDING CONSTRUCTION OF SHEDS, GUARD ROOM, ADDITIONAL ROOM FOR AUDIO SYSTEM, EXPANSION JOINT REPAIR AND OTHER MINOR ORIGINAL WORKS".

Probable cost of project - 3000.00 Lakh.

Minimum eligibility for participants shall be as below :-

S. N.	Building project cost	The applicant firms, firms forming Joint venture/consortium shall be	Earnest money (In shape as per Annexure-1 Favor of Executive Engineer, PWD Raigarh	No. Of Call
1	For project cost between Rs. 25 to 50 crore	Empanelled as architect in class "B & above class" in C.G. PWD	Rs. 20,000-00	1st call

General condition: All the documents & Information as per para 7.4, shall be submitted through speed post/Registered post. so as to reach the office of under signed on or before dated 11.05.2026 by 17.30 hour. Any documents received after the last date and time will not be entertained.

The detailed RFP is available on the website www.cgstate.gov.in from where it can be downloaded for submission. CG.PWD reserves the right to reject all or any of the application without assigning any reason. Right to modify the process of Pre-qualification is reserved with CG.PWD.

Superintending Engineer
Public Works Department, Bilaspur Circle Bilaspur

G-262700308/6

कार्यालय आयुक्त भू-अभिलेख छत्तीसगढ़
इन्द्रावती भवन, प्रथम तल, ब्लॉक नं. 2-. अटल नगर रायपुर
मेल clr-cg@nic.in

क्र/-351/UPAHAR योजना/2026 नवा रायपुर अटल नगर
दिनांक 22.04.2026

NOTICE FOR INVITING TENDER (NIT)

"Unified Platform for Agriculture and Holistic Assessment with Records (UPAHAR)"

Director of Land Record, Chhattisgarh Government invites bids from qualified and experienced companies for the selection of System Integrator to study, design, development, integration, implementation, execution, migration, operation, and maintenance of "Unified Platform for Agriculture and Holistic Assessment with Records (UPAHAR)" with the use of Geo-spatial, Remote Sensing and new emerging technologies for the Director of Land Record, Government of Chhattisgarh. Bidders qualifying as per the criteria defined in the RFP are encouraged to participate in the selection process.

Interested bidders should submit their bids online only in response to this NIT latest by 17:30 hrs on 13/05/2026 through the online tender portal. The detailed RFP document can be downloaded from the e-tender portal http://www.eproc.cgstate.gov.in and departmental portal http://revenue.cg.nic.in

Director,
Land Record, Chhattisgarh
Nava Raipur Atal Nagar,

जी-262700329/2

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

क्रमांक/57/ADV/219/2025 नवा रायपुर, दिनांक : 21/04/2026

संक्षिप्त विज्ञापन

(1) माननीय उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत "सहायक ग्रंथपाल" के 07 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने के लिए विज्ञापन क्रमांक 01/2026/परीक्षा/दिनांक 21/04/2026 जारी किए गए हैं, जो छत्तीसगढ़ संवाद के समाचार पत्र "रोजगार और नियोजन" के अंक दिनांक 29/04/2026 में विज्ञापन एवं अन्य जानकारी प्रकाशित है। उक्त विज्ञापन में दर्शित शर्तों के अनुसार रिक्त पदों, जिसका विवरण नीचे की तालिका में दर्शित है, के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:-

स. क्र.	पद का नाम	कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से केवल छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी महिलाओं के लिए आरक्षित पद				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से निःशक्तजनों के लिए आरक्षित पद	योग	वेतन मेट्रिक्स
		अनारक्षित	अजा	अजजा	अपिव	अनारक्षित	अजा	अजजा	अपिव			
1	सहायक ग्रंथपाल	5	1	-	1	1	-	-	-	1	7	43200-136500 (स्तर-10)

(2) विज्ञापित पदों की आवश्यक अर्हताएं, आयु सीमा, शुल्क, निर्देश, परीक्षा योजना, पाठ्यक्रम आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी "रोजगार और नियोजन" के अंक दिनांक 29/04/2026 में देखे जा सकते हैं।

(3) उपर्युक्त पद हेतु आवेदकों की अर्हता निर्धारण के लिए उच्चतर आयु एवं आयु में छूट की गणना की निर्धारित तिथि 1 जनवरी 2026 है, जिसके संदर्भ में ही आयु की गणना की जाएगी।

(4) ऑनलाइन आवेदन दिनांक 24/04/2026 मध्यान्ह 12:00 बजे से दिनांक 23/05/2026 रात्रि 11:59 बजे तक किया जा सकता है।

(5) आयोग के वेब-साईट www.psc.cg.gov.in में भी विज्ञापन एवं विस्तृत जानकारी देखी जा सकती है।

(6) आवेदक, उपरोक्त पदों हेतु आयोग के विज्ञापन क्र. 01/2026/परीक्षा/दिनांक 21/04/2026 में उल्लेखित कंडिकाओं के अनुसार ही ऑनलाइन आवेदन करें।

(7) रोजगार और नियोजन का उक्त अंक छत्तीसगढ़ संवाद के निम्न पते से भी प्राप्त किया जा सकता है:- संपादक, रोजगार और नियोजन, छत्तीसगढ़ संवाद, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ दूरभाष 0771-2512567.

सही/-
सचिव
छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नवा रायपुर अटल नगर

जी. 262700317/2

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र./सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
5/189412	Interior Beautification And Furnishing Work of Mahanadi (Governor House), Vvip Suit (Udanti Parisar) And All Suites For Accmondation of Vips In Lokbhavan Prisar Raipur (C.G.) (प्रथम आमंत्रण)	रू. 80.00 लाख
4/189414	Interior Beautification of Conferance Hall, Adc Staff Room, Ade Chamber at Secretariat Building and Mahanadi Adc Office, at Lokbhavan, Raipur (C.G.) (प्रथम आमंत्रण)	रू. 80.00 लाख
273/189415	S/R Drain Work at Mana Boriyakala Sejbahar Datrenga Doma Julum Road Raipur + Interlock Work in Mmi Hospital to New Bus Stand Pandari Canal Linking Road Raipur (C.G.) (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 39.99 लाख

एन.आई.टी. क्र. 5 सिस्टम टेन्डर नं. 189412 एवं एन.आई.टी. क्र. 4 सिस्टम टेन्डर नं. 189414 निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 11.05.2026 समय सायं 5:30 बजे तक एवं एन.आई. टी. क्र. 273 सिस्टम टेन्डर नं. 189415 निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 06.05.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
रायपुर मंडल क्रं.-1, रायपुर (छ.ग.)

जी-262700323/4

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग सुकमा वनमण्डल, सुकमा जिला सुकमा (छ.ग.)

ईमारती काष्ठ का नीलाम विज्ञापन सुकमा वनमण्डल सुकमा, जगदलपुर वृत्त जगदलपुर

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जगदलपुर वृत्त के सुकमा वन मण्डल के अन्तर्गत सुकमा काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ का ई-नीलाम दिनांक 04/05/2026 समय दोपहर 02:00 बजे से ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जावेगा।

अतः इच्छुक व्यापारियों ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्ते व अन्य जानकारियों कार्यालयीन दिवसों में काष्ठागार अधिकारी या वनमण्डल कार्यालय सुकमा से प्राप्त की जा सकती है।

सुकमा काष्ठागार में ईमारती काष्ठ की मात्रा

प्रजाति	नया काष्ठ की मात्रा			पुराना काष्ठ की मात्रा			महायोग		
	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
सागौन	71.070	96	143	367.266	379	401	438.336	475	544
साजा	8.888	77	0	68.536	457	0	77.424	534	0
साल	0.844	7	0	80.215	6	0	81.059	13	0
बीजा	3.932	39	0	110.999	83	0	114.931	122	0
धावड़ा	24.346	58	0	29.298	264	0	53.644	322	0
शिवना	0.367	0	0	0.064	3	0	0.431	3	0
हल्दू.मु.	0	0	0	7.879	0	0	7.879	0	0
तिन्सा	0	0	0	0.430	0	0	0.430	0	0
अन्य	11.610	233	0	53.066	1195	0	64.676	1428	0
शीशम	0	0	0	2.399	7	0	2.399	7	0
योग	121.057	510	143	720.152	2394	401	841.209	2904	544
मिश्रित जलाऊ चट्टा	300 चट्टा			133 चट्टा			433 चट्टा		
व्यापारिक बांस	3.613 नो.टन			-			3.613 नो.टन		
1 मीटर ओद्योगिक बांस	68.80 नो.टन			-			68.80 नो.टन		
2 मीटर औद्योगिक बांस	307.00 नो.टन			-			307.00 नो.टन		

टीप :-

1. क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लाटो के अपसेट प्राईज के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई डी. से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी सुकमा
वनमण्डल, सुकमा

जी. 262700328/1

प्रथम पृष्ठ का शेष

पानी के लिए...

यानी 10 वर्षों में 2 लाख 46 हजार ज्यादा ट्यूबवेल बढ़े हैं। जबकि इसी अवधि में 10 हजार 700 से ज्यादा तालाब और 24 हजार से ज्यादा कुंए कम हो गए हैं। नतीजा...हम पाताल फोड़कर पानी निकालते रहे लेकिन वाटर रिचार्ज के इंतजाम नहीं किए। वहीं जिन तालाब और कुओं से पानी का स्तर बना रहता था उन्हें बंद कर दिया। दरअसल कुंओं और तालाबों के निर्माण में आने वाले खर्च और जगह की कमी की वजह से किसानों का रुझान ट्यूबवेल की ओर बढ़ा है। जून 2025 तक राज्य में सिंचाई वाले ट्यूबवेल की संख्या 4 लाख 42 हजार से ज्यादा हो गई थी, जो 2015 की तुलना में 2.46 लाख ज्यादा है। इनमें 4.31 लाख से ज्यादा निजी ट्यूबवेल थे।

76 हजार से...

हजारों की संख्या में कुंए कम हुए हैं। रायपुर में ही 34 सौ से ज्यादा कुएं घट गए, जबकि बलौदाबाजार में 6199 कुएं कम हो गए। बाकी जिलों में भी इसी अनुपात में कुएं कम हो गए। कुंओं में कमी के कारण वाटर रिचार्जिंग में काफी कमी आई है।

सिंचाई तालाब भी...

की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में 2015 में 100 एकड़ से अधिक और 100 एकड़ से कम वाले 34 हजार 175 सिंचाई तालाब थे जो 2025 में घटकर 23 हजार 421 रह गए हैं। यानी 10 साल में 10 हजार 754 तालाब कम हो गए। रायपुर जिले में ही 1783 से घटकर 935 तालाब रह गए हैं। बाकी जिलों में भी सैकड़ों की संख्या में तालाब पट गए। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि तालाबों के कारण आसपास के बड़े क्षेत्र में भूजल स्तर ठीक रहता था, लेकिन तालाबों के हजारों की संख्या में पटने से वाटर रिचार्जिंग नहीं हो पा रही है। इसके कारण भूजल स्तर में गिरावट आ रही है।

पूरे देश को ऊर्जा...

तहत घर-घर नल जल योजना के तहत कनेक्शन पहुंचाने की योजना की शुरूआत वर्ष 2018 में की गई थी। 1,305 करोड़ की इस योजना से प्रत्येक घरों में पाइप लाइन बिछाकर पानी देने का काम दिसंबर 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। सात साल बीत जाने के बाद भी 388 गांव में ही काम चल रहा है। जबकि जिले में 712 गांव हैं। जिले में 412 ग्राम पंचायत 712 गांवों में विभक्त हैं। इनमें 245 गांवों को समूह जल आवर्धन योजना से पानी दिया जाना है। इनमें बांगो बांध से एतमानगर, हसदेव नदी से कुदुरमाल एनीकट, डूबान क्षेत्र से सतरेंगा जैसी वृहत योजना शामिल हैं। इसके लिए 799 करोड़ खर्च किया जाना है। योजना का प्राक्कलन तैयार होने के तीन साल बीतने के बाद भी एक भी समूह नल जल योजना के धरातल में आना तो दूर शुरूआत भी नहीं हुई है। समूह जल योजना केवल कागजों में ही सिमट कर रह गई है। शेष 458 गांवों को अलग-अलग स्त्रोतों से जल जीवन मिशन के तहत पानी देने की योजना है। योजना को मूर्त रूप देने का काम पीएचई और क्रेडा के माध्यम से कराया जा रहा है। पीएचई का कार्य टंकी निर्माण कर जल स्त्रोत से शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराना है। क्रेडा का काम पाइप लाइन बिछाना व सौर ऊर्जा से मोटर चालू कर घरों तक जल प्रदाय करना है। 113 ऐसे गांव हैं जहां जल स्त्रोत ढूंढने के साथ बोर भी लगाया जा चुका है, लेकिन पाइप लाइन नहीं बिछने के कारण घरों तक पानी पहुंचाना संभव नहीं हो सका है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि दो साल तक निर्माण कार्य में कोरोना काल के कारण बाधा रही। इसके साथ ही समय पर राशि नहीं मिलने के कारण कार्य शुरू करने में देरी हुई। योजना शुरू होने से जिले के 23 हजार 288 परिवारों को घर में ही पानी मिलेगा। ग्रीष्म ऋतु की शुरूआत लगभग हो चुकी है। तापमान में वृद्धि से भूमिगत जल स्त्रोत में भी कमी आएगी। शासन स्तर पर सफल मानिटिंरिंग नहीं नहीं होने की वजह से कार्य में प्रगति नहीं है। **कोयला प्रभावित गांवों में जल संकट बरकरार** -राज्य की सर्वाधिक कोयला खदानें कोरबा जिले में हैं। कोयला खदानों का लगातार विस्तार हो रहा है। भूमिगत जल स्त्रोत खदान में इकठ्ठा हो जाते हैं। खदान के आसपास के गांव में जल स्रोत सूखने लगते हैं। खदान के आसपास के गांव में जल संकट बढ़ जाता है। हरदीबाजार, ढपढप, अरदा, कोरबी, चोटिया आदि ऐसे गांव हैं जहां गर्मी शुरू होने से पहले पेयजल की समस्या बढ़ जाती है। खदान प्रभावित क्षेत्र होने के कारण खेतों में भी वर्षा जल नहीं रूक पाता। वर्षा आश्रित खेती करने वाले किसानों को क्षेत्र में अक्सर सूखे का सामना करना पड़ता है। खदान के पानी को प्रभावित गांव तक पहुंचाने की योजना बनी थी लेकिन एसईसीएल की ओर से राशि नहीं जारी किए जाने के कारण योजना कागजों में ही सिमट गई है। **खण्डहर में तब्दील हो रही टंकियां**-जल जीवन मिशन शुरू होने से पहले ग्राम पंचायतों में नल-जल योजना की शुरूआत की गई थी। जिले की 90 ग्राम पंचायतों में बोर की खुदाई कर जलापूर्ति के लिए टंकी तैयार की गई है। जल स्त्रोत सूखने और बोर खराब होन के कारण रजगामार, बरपाली, कोरकोमा सहित 12 ग्राम पंचायतों की टंकियां खंडहर में तब्दील हो रही हैं।

तीन बार पाइप...

चुनावी वादे को पूरा करने के लिए पार्षद निधि से नलकूप खनन करवाया और उसके बाद यहां पर साढ़े सात एचपी का सब मर्सिबल पंप भी डलवाया। इतना ही नहीं नगर पालिका कार्यकाल का पहला कार्य होने के कारण बहुत ताम झाम से इस नलकूप को चालू भी किया गया और भरोसा दिलाया गया कि जल्द ही इस नलकूप को टंकी से जोड़ दिया जाएगा और वार्डवासियों को पानी मिलना शुरू हो जाएगा पर न जाने कौन सी घड़ी में इस पानी टंकी की नींव डली थी जो आज तक यह प्यासी है। वार्ड क्रमांक 4 में आजादी से लेकर आज तक तीन बार पाइप लाइन का विस्तार हो चुका है लेकिन पेयजल की समस्या ज्यों की त्यों है। यह पाइपलाइन भी अंदर ही अंदर सूख गई।

होर्मुज में ईरान...

के साथ ही ईरान द्वारा अब तक गोलीबारी के जरिए निशाना बनाए गए भारतीय जहाजों की कुल संख्या 3 हो गई है।

फारेस्ट अफसरों के...

खरीदने 50 करोड़ रुपए में सौदा कर एक तस्कर को भानुप्रतापपुर से बुलाकर तथा दूसरे को रायपुर में दबोच लिया। पैंगोलिन तस्करी करने के आरोप में पाखांजूर निवासी खोखन हलदार, मध्यप्रदेश बालाघाट निवासी गोपाल बोपचे को गिरफ्तार किया गया है। रायपुर वन परिक्षेत्र प्रभारी दीपक तिवारी के अनुसार पीसीसीएफ वी. श्रीनिवास राव, पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ अरुण कुमार पाण्डेय के निर्देश पर रायपुर डीएफओ लोकनाथ पटेल, फॉरेस्ट एसडीओ आनंद कुदरिया के मार्गदर्शन में तस्करों को गिरफ्तार करने टीम गठित की गई। इसके बाद फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी संतोष सावंत राय तथा उनकी टीम ने तस्करों से संपर्क कर पैंगोलिन का 50 करोड़ में सौदा किया।

नाबालिग दूल्हे की...

एक नाबालिग की शादी का मामला था। हालांकि दुल्हन बालिग थी, लेकिन दूल्हे की उम्र 21 साल से 2 महीने कम थी। प्रशासन ने नई ब्याही दुल्हन को अपनी अभिरक्षा में लेकर वापिस मायका भेज दिया। दूल्हे के परिवार वाले प्रशासन की बात समझ गए और दुल्हन को ले जाने में सहमति दे दी। प्रशासन ने कहा है कि अब दो महीने बाद लड़के के बालिग होने पर फिर शादी होगी। फिलहाल यह विवाह शून्य घोषित किया जाता है।

तेंदुलकर ने कहा....

इस क्षेत्र में बुनियादी विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में मिलकर कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में तेंदुलकर परिवार की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत में सचिन, सारा और सोनिया ने विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने न केवल बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित किया, बल्कि स्वयं भी उनके साथ शामिल होकर एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया। कार्यक्रम के दौरान रस्साकशी, वॉलीबॉल, दौड़ और खो-खो जैसे रोचक खेल आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ हिस्सा लिया। इन गतिविधियों से बच्चों में टीम भावना, आत्मविश्वास और खेल भावना का विकास हुआ।

जमीन का बंटवारा ....

भाई दौलत के वार से घायल हुए कृष्णकांत को बचाने के लिए प्रार्थिया ने गांव में गुहार लगाई, लेकिन उसके लौटते तक दौलत ने धान की कोठी में बंद कर घायल अवस्था में कृष्णकांत पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग पर काबू पाने दमकल बुलाया गया, लेकिन आग पर काबू पाने तक कृष्णकांत बुरी तरह जल चुका था और घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी। मामले की रिपोर्ट पर बागबाहरा थाने में की गई है। आरोपी के विरूद्ध धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। मामले में आरोपी फरार है।

प्रतिवेदन एवं नामांतरण ...

सत्य निकला। एसीबी ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाई तथा पीड़ित को रूपए देकर पटवारी के पास भेजा। जैसे ही पटवारी ने 25 हजार रूपए रिश्वत की रकम ली एसीबी ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने पीसी एक्ट 1988 के तहत आरोपी के विरूद्ध कार्रवाई की है।

जेईई मेन अप्रैल 2026

एलन बिलासपुर के आदित्य अग्निहोत्री की ऑल इंडिया रैंक 143

बिलासपुर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जेईई मेन 2026 अप्रैल सेशन के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। परिणामों में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट बिलासपुर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रेष्ठता स्थापित की है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट बिलासपुर सेंटर के हैड शुभम नंदवाना ने बताया कि एलन बिलासपुर के स्टूडेंट आदित्य अग्निहोत्री ने 99.991 पर्सेन्टाइल स्कोर कर ऑल इंडिया रैंक 143 हासिल कर बिलासपुर में शीर्ष स्थान और छत्तीसगढ़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा गौरव रोहरा ने 99.97 पर्सेन्टाइल स्कोर कर एआईआर 508 के साथ बिलासपुर में दूसरा स्थान अर्जित किया हैं जबकि सत्यम सिंह ने 99.70 पर्सेन्टाइल के साथ एआईआर 4856, अनुकर्ष साहू ने 99.47 पर्सेन्टाइल के साथ एआईआर 8563, शौर्य राज ने 99.21 पसेन्टाइल के साथ एआईआर 12675, शुभांश गौतम ने 99.05 पर्सेन्टाइल के साथ एआईआर 15284, आयुष सिंह ने 98.96 पर्सेन्टाइल के साथ एआईआर 16698 तथा आनंद स्वरूप ने 98.80 पर्सेन्टाइल के साथ एआईआर 19173 हासिल किया। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 से अधिक विद्यार्थियों ने जेईई-एडवांस के लिए क्वालिफाई किया हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने बताया कि नेशनल रिजल्ट्स में एलन क्लासरूम स्टूडेंट कबीर छिल्लर ने ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की है। इसके साथ ही टॉप-10 में 4 स्थानों पर एलन क्लासरूम स्टूडेंट रहे हैं इनमें अर्णव गौतम रैंक-5, शुभम कुमार रैंक-6 और ऋषि प्रेमनाथ ने आल इंडिया रैंक-8 प्राप्त की है। टॉप-20 में 9 स्टूडेंट्स एलन क्लासरूम से तथा टॉप-100 में 41 स्टूडेंट्स एलन से शामिल हैं। परिणाम की प्रामाणिकता एवं पारदर्शिता को बरकरार रखते हुए एलन ने अपने रिजल्ट्स को देश की बड़ी ऑडिट फर्म ई-वाई इंडिया से वैलिडेट करवाया है।

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • कैमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

Required - Need a good, smart and efficient gents hair dresser for our salon. Interested candidates can come with biodata for interview and demo. Venue- The Heritage Prime salon Opp. to Minocha Colony, Near Indusland bank Uslapur Road Bilaspur. Contact- 7748859999 (40637)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन लड़का एवं सेल्स गर्ल लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित थ्रेड गोल बाजार बिलासपुर 9827923507 (40635)

आवश्यकता है- डेन्टल क्लीनिक के लिए 1 BDS और 2 चेयर साइड असिस्टेंट की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- गुरुकृपा दन्त चिकित्सालय अयोध्या नगर, रिंग रोड नम्बर-2, बिलासपुर 940621 1335(40646)

आवश्यकता है- सीए ऑफिस में एकाउंटिंग एवं ऑडिट कार्य करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है केवल सीए ऑफिस में कार्य किए अनुभवी सम्पर्क करे- जाजोदिया चौरसिया एण्ड कम्पनी मध्यनगरी चौक, बिलासपुर 9981120020 (40645)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में बिलिंग एवं एकाउंटिंग, माल पैकिंग करने, ट्रांसपोर्ट लेजाने, आर्डर एवं वसूली करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (पढ़ाई बाध्य नहीं है) सम्पर्क करें- 9111000629 (40649)

आवश्यकता है- बिलासपुर की निर्माणाधीन कॉलोनी में सिविल कॉन्ट्रैक्टर (छत नापी+ आइटम रेट), प्लास्टर कॉन्ट्रैक्टर, शटरिंग लोहार, टाइल्स कॉन्ट्रैक्टर की आवश्यकता है, सम्पर्क करें- 9589000659, 79992 45462, 7970010956, 7970010973 (40626)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 रहना, खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (40618)

आवश्यकता है- फार्म हाउस/ घर की देखरेख के लिए एक जिम्मेदार व्यक्ति (छोटा परिवार/ एकल युवक) की आवश्यकता है, कार्य में चौकीदारी, साफ सफाई, सब्जी भाजी उगाना व पौधों की देखरेख शामिल है, रहने की सुविधा उपलब्ध, वेतन आपसी सहमति से तय होगा, सम्पर्क करें- 9589601111, 97533 01111 (40640)

आवश्यकता है- दर्जी (टेलर) की आवश्यकता है जो पर्स चैन कव्हर कुशन कव्हर सिलाई का जानकार हो, सम्पर्क करें- ज्योति डेकोर देवकीनन्दन चौक से पुराना अरपा पुल की तरफ बिलासपुर 8319241410 (40639)

आवश्यकता है- एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी में आकर्षक कमीशन पर अभिकर्ताओं की आवश्यकता है प्रायवेट कार्य करने वाले गृहणी, अन्य कंपनी के एजेंट योग्यता 10, 12 ग्रेज्युएट संपर्क करें 73894 86395 (40633)

आवश्यकता है- ड्राईवर टाटा 407, 712 गाड़ी चलाने हेतु ड्राईवर की एवं साउंड एलईडी स्क्रीन कार्य हेतु हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रेम इवेंट्स 9981517475, बिलासपुर (40641)

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सुबह 10बजे से रात 9बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 (40636)

आवश्यकता है- एजेन्सी कार्य हेतु छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर एवं ऑटो चलाने हेतु ड्राइवर की। सम्पर्क- महावीर एजेन्सी, साई मन्दिर एवं टारगेट एकेडमी के पास नेहरू नगर रोड बिलासपुर 9755885780, 9893056083 (40647)

आवश्यकता है-राष्ट्रीय स्तर की कम्पनी को अपने ऑफिस विस्तार हेतु अविवाहित युवकों की आवश्यकता है जो शहर से बाहर छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश मे रहकर काम कर सके वेतन 12000 रहना खाना नियुक्ति फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाये 20 से 25 हजार महीना सम्पर्क करे 9755577072, 7999114133 (401)

आवश्यकता है- तिफरा, परसदा, सिरगिट्टी, बिलासपुर के प्रतिष्ठित, औद्योगिक संस्थानों हेतु सुरक्षा सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्डों की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन शासकीय नियम अनुसार। आवास निःशुल्क। अपने मूल दस्तावेजों सहित तत्काल सम्पर्क करें- अम्बे प्लाजा ग्राउण्ड फ्लोर तिफरा बस स्टैण्ड बिलासपुर 95222 39468, 8839727959 (40648)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेन्ड नर्स व कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (40634)

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राईवर की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- सुबह 9 से 11बजे तक, डॉ. नितिन अग्रवाल, प्रकृति, लूथरा नर्सिंग होम के पीछे, नेहरु नगर, बिलासपुर 7869911027 (40644)

आवश्यकता है- कार एक्सेसरीज शॉप में दुकान एवं गोदाम में काम करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। वेतन काम एवं एक्सपीरियंस के अनुसार रहेगा, सम्पर्क करें- कार इंटीरियो, इमलीपारा बिलासपुर 9893200002 9074336633 (40625)

आवश्यकता है- प्रिंटिंग युनिट हेतु कोरल ड्रा डिजाइनर 2पद, रिसेप्शनिस्ट 1पद, ऑफिस ब्वॉय 3पद एवं बाईन्डर 2 पद की आवश्यकता है वेतन 10000 सम्पर्क करें- प्रिंट आइडिया, सुभाष काम्पलेम्स जरहाभाठा बिलासपुर 7999415807 (40638)

आवश्यकता है-लाईट शोरूम में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है जिन्हे बिजली दुकान में काम करने का अनुभव हो अनुभवी को प्राथमिकता वेतन अनुभव के अनुसार सम्पर्क करें- 99935 66695 (40598)

आवश्यकता है- चिकित्सालय में दवा दुकान एवं कैश काउंटर हेतु अनुभवी शिक्षित महिला कर्मी की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- मुंगेली रोड बिलासपुर 8821023755, 9826134710 (40643)

आवश्यकता है- कॉलोनी में 6 सुरक्षागार्ड एवं 2 सुपरवाइजर चाहिए योग्यता 12वीं, उम्र 40वर्ष तक, ड्यूटी 12घंटे एंड्रॉयड फोन चलाने का अनुभवी, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क- सुबह 9 से 11बजे, रामावैली आवासीय सहकारी समिति प्रथम तल ऑफिस नं.-3 शॉपिंग काम्प्लेक्स, रामावैली कॉलोनी बोदरी बिलासपुर 88272 83767, 7999946658 (40642)

आवश्यकता है-फुटवियर शॉप में अनुभवी, सेल्समैन, सेल्सगर्ल, मार्केटिंग (फील्ड वर्क हेतु) बिजी एकाउंट हेतु चाहिए बॉयोडाटा सहित सम्पर्क करें- चरण स्पर्श शू मॉल रघुराज सिंह स्टेडिम के सामने बिलासपुर 9300300333, 07752-407333 (40616)

आवश्यकता है- फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 78699 19759 (40627)

आवश्यकता है- रायपुर स्थित प्रतिष्ठित अग्रवाल फैमिली हेतु 12घंटे एवं 24घंटे* कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय एवं जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभव 5वर्ष शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 10वीं पास वेतन 25,000 प्रतिमाह सुविधाएं रहने खाने की व्यवस्था नि.शुल्क स्थानः सिविल लाइन्स रायपुर संपर्कः- 9109222000, 9109125252 (004)

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़ों के नये खुल रहे शोरूम में कार्य करने हेतु सेल्सगर्ल, सेल्सबॉय की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- आशा ड्रेसेस, सांई मन्दिर के बाजू में, देवकीनन्दन चौक, बिलासपुर 98279 55598, 7879207737 (40630)

आवश्यकता है- पैट्रोल पम्प पर कार्य करने के लिए लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- ओमांश किसान सेवा केन्द्र मंगला (बिलासपुर) 9407938943, 93402 02142 (40622)

आवश्यकता है- आफिस कार्य करने के लिए हेतु 2 से 3वर्ष अनुभवी लड़के/ लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने व्यापार विहार रोड बिलासपुर (40628)

आवश्यकता है-हाइवा मेन्टेनेन्स+ फील्ड वर्क हेतु 20-30 वर्षीय लड़का चाहिए वेतन 7000+ पैट्रोल, स्वयं की बाइक अनिवार्य, बिलासपुर निवासी को प्राथमिकता हाइवा मेन्टेनेन्स संबंधित फील्ड कार्य अनुभवी सम्पर्क करें- 7067005520, 9109395522 (40611)

आवश्यकता है-ट्रांसपोर्ट कार्य हेतु दो लड़कों की आवश्यकता है कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए सैलरी योग्यता अनुसार 2 से 3वर्ष अनुभव अनिवार्य सम्पर्क करें-जय दुर्गा रोडलाइन्स ट्रांसपोर्ट नगर सिरगिट्टी रोड बिलासपुर 9300678181 (40613)

आवश्यकता है-टीवीएस डीलर को सेल्स, सर्विस एग्जीक्यूटिव मैनेजर, कम्प्यूटर आपरेटर, बिलिंग एग्जीक्यूटिव टेलीकॉलर हेतु योग्य व्यक्तियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 90391 67202 (40617)

आवश्यकता है-मेन्स वियर शॉप में अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें-यूनिक फैशन शिव टॉकीज चौक बिलासपुर 9303159900 9630110824 (कॉलिंग समय सुबह 11:30 से शाम 7 तक) (40615)

आवश्यकता है-होटल में साऊथ इंडियन कुक, किचन हेल्पर एवं वेटर सप्लायर युवक, युवतियों की आवश्यकता है अनुभवी/ फ्रेशर दोनो को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9340229293 (40619)

आवश्यकता है-सिक्योरिटी एजेन्सी में कार्य हेतु इच्छुक व्यक्ति जो शोरूम में गाड़ियों की एंट्री कर सके तथा डे/ नाइट में काम करने हेतु चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9981630084, 9425534940 (40620)

आवश्यकता है- कपड़ा, कॉस्मेटिक, ज्वेलरी दुकान में पार्ट टाइम, फुल टाइम कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें-शिमर एंड शाइन, अग्रसेन चौक बिलासपुर 8602460166 (40604)

आवश्यकता है-ऑनलाइन कॉस्मेटिक सामान के पार्सल पैकिंग हेतु 5 लड़के, 5 लड़कियों की। वेतन 8000, कार्य समय 10 से 8, सम्पर्क- पाहवा इंटरप्राइजेज गोल्डन बार के पीछे, व्यापार विहार बिलासपुर 8109167000 (40621)

आवश्यकता है- घरेलु सभी कार्य करने हेतु कुशल महिला/ लड़की एवं निजी कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- वर्मा नर्सिंग होम के पास, विनोबा नगर, बिलासपुर 7000953447, 96859 01101 (40609)

आवश्यकता है- फ्रोजन फूड, किराना दुकान में आर्डर सप्लाई हेतु जानकार स्टाफ चाहिए वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- के.सी. फ्रोजन फूड, त्रिवेणी भवन के पास, व्यापार विहार, बिलासपुर 9579552762, 8815001551 (40607)

आवश्यकता है-झाड़ू पोछा, साफ सफाई वेटर कार्य (18वर्ष से ऊपर) कर्मचारी, मेहनती लड़कों की। वेतन 10000 से 12000 ग्रामीणों को रहना खाना निःशुल्क सम्पर्क करें-अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9827940898 (40614)

आवश्यकता है-होटल नटराज में अनुभवी हाउस कीपिंग पुरुष स्टाफ की आवश्यकता है दोपहर 1बजे से रात 11बजे तक वेतन 7000 से 9000 सम्पर्क करें-होटल नटराज अग्रसेन चौक बिलासपुर 9977861508 (40599)

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती युवती, युवक हमाल की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-राधेश्याम स्टेशनरी मार्ट सरजू बगीचा तेलीपारा रोड बिलासपुर (40503)

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर सिरगिट्टी में गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट का पूर्व मुखी प्लाट और व्यापार विहार में एक कमर्शियल प्लॉट अतिशीघ्र बेचना है इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 9630083740, 97706 76030 (40623)

बेचना है- खमतराई में सड़क से लगी 27 डि., मोपका में 41 डि., विनोबा नगर में सड़क से लगी 1037 वर्गफुट में निर्मित शोरूम एवं एक छोटी दुकान बेचना है। नियम शर्तें लागू। खरीददार ही सम्पर्क करें- 9770060675 (40632)

किराया

किराया-नेहरू नगर में 2BHK, 3BHK फ्लैट किराए से देना है। ओपन, हवादार अपार्टमेंट बड़ी खिड़कियां, भरपूर रोशनी, वेंटिलेशन, 24×7 पानी, बिजली, जेनरेटर, गार्ड, क्लोज्ड कैम्पस, पॉश, लोकेशन। सम्पर्क- 95896 01111, 9753301111 (40608)

किराया-बिलासपुर में आजाद चौक मंगला के पास महामाया पार्क कालोनी में सर्व सुविधा युक्त 2BHK मकान किराये पर देना है। बैंक एवं शासकीय कर्मचारी परिवार को प्राथमिकता सम्पर्क 7999694091 (40605)

किराया-मंगला चौक पर सागर गोल्डन स्क्वेयर काम्प्लेक्स में प्रथम तल पर 12×17 की दो दुकानें किराए से देना है सम्पर्क करें-93032 05444 (40571)

फाइनेन्स

फाइनेन्स-महालक्ष्मी फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस पर्सनल, कृषि महिला समूह मकान दुकान लघु उद्योग पर्सनल लोन आधार कार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क करें- 9039310732, 82804 01638 (030)

फाइनेन्स-कुबेर फाइनेन्स मुद्रा योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ में लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 15लाख तक, 1% ब्याज वार्षिक, प्रॉपर्टी, पर्सनल, ग्रुप लोन सिविल खराब लोन पाए सम्पर्क करें- 88826 27857 (4376)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे- BA, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, MA, M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Polytechnic B.Tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4146)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

शाम 7.30 बजे से वानखेड़े स्टेडियम में एमआई और चेन्नई में भिड़ंत

वापसी की राह पर रोहित और धोनी, मुंबई इंडियंस-सुपरकिंग्स में महामुकाबला आज

एजेंसी ▸▸ मुंबई

अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम गुरुवार को जब आईपीएल में आमने-सामने होंगी तो वे अपने पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी की संभावित वापसी पर नजर रखकर अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेंगी। रोहित (हैमस्ट्रिंग) और धोनी (पिंडली में खिंचाव) वापसी की राह पर हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या इनमें से कोई भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतरेगा।

रोहित ने वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया लेकिन वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मैच नहीं खेलने वाले धोनी ने जमकर अभ्यास किया। इससे उनकी इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वापसी की संभावना बन गई है। इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि अब तक पांच-पांच खिताब जीतने वाली यह दोनों टीम कई समस्याओं से जूझ रही हैं।

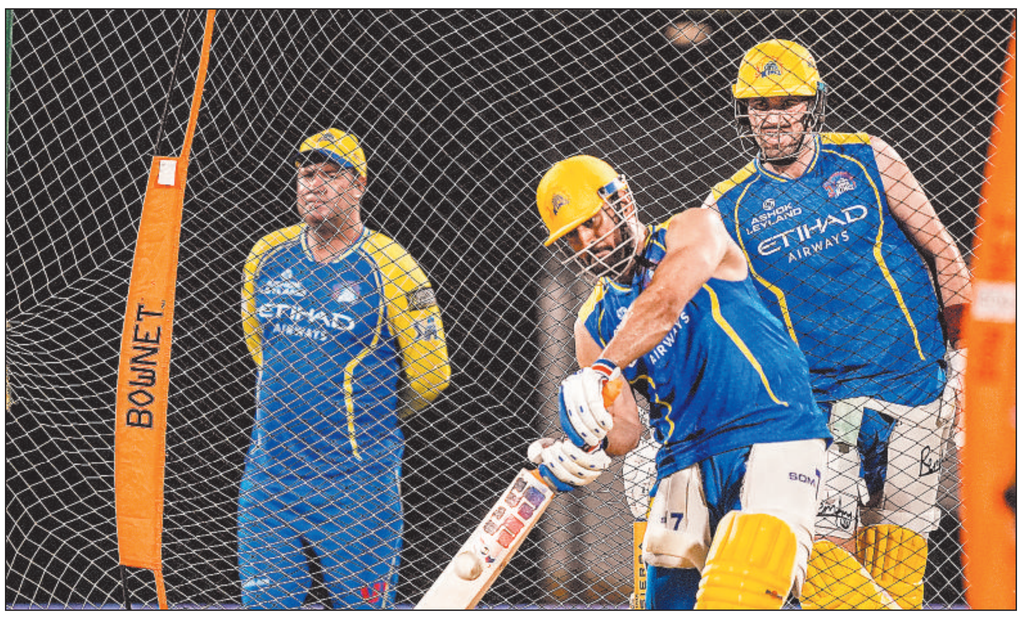

लय में नहीं आ पा रही सीएसके

सीएसके ने प्रत्येक टीम की तरह टूर्नामेंट की शुरुआत फॉर्म और सही संयोजन की तलाश में की लेकिन जैसे ही वे लय में आने लगे, उसके युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए, जो सीएसके के लिए बड़ा झटका है। इससे सीएसके को बल्लेबाजी में नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ रही है। गुजरात के विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल को म्हात्रे की जगह टीम में शामिल किया जा सकता है।

हार का सिलसिला तोड़ने को बेताब सीएसके

सीएसके लगातार दो मैचों में हार के सिलसिले को तोड़ने के लिए बेताब होगा। वह मुंबई के खिलाफ हाल के अपनी रिकॉर्ड से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। उसने इन दोनों टीम के बीच पिछले पांच मुकाबलों में से चार में जीत हासिल की है। दोनों टीम के अभी चार-चार अंक हैं। मुंबई बेहतर नेट रन रेट के कारण सीएसके से आगे है।

मुंबई की राह आसान नहीं

अहमदाबाद में तिलक वर्मा के शानदार प्रदर्शन ने मुंबई इंडियंस को लगातार चार मैचों की हार का सिलसिला तोड़ने में मदद की, लेकिन उसके लिए अब भी राह आसान नहीं है। मुंबई के लिए सबसे बड़ी चिंता भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और इस फ्रेंचाइजी टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या के फॉर्म को लेकर बनी हुई है। सूर्यकुमार अभी तक केवल एक अर्धशतक ही बना पाए हैं जबकि हार्दिक जरूरत पड़ने पर पारी को संभालने या आखिर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने में नाकाम रहे हैं। टीम ने नमन धीर पर भरोसा जताया है और वह अब तक इस पर खरे उतरे हैं।

एमआई में शामिल हुए विल जैक्स

जसप्रीत बुमराह आखिरकार पिछले मैच में विकेट लेने में सफल रहे जबकि अश्वनी कुमार के चार विकेट ने टीम की चिंताओं को कम किया क्योंकि ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर और हार्दिक में से कोई भी शुरू में लगातार सफलता नहीं दिला पाए थे। मुंबई इंडियंस के इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स टीम में शामिल हो गए हैं और उनकी वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी।

मैच का समय : शाम 7:30 बजे

जडेजा ने 43 रन बनाए, एक विकेट भी लिया

राजस्थान की पांचवीं जीत : लखनऊ को 40 रन से हराया

एजेंसी ▸▸ लखनऊ

राजस्थान रॉयल्स ने पांचवीं जीत दर्ज करते हुए लखनऊ सुपर जाएंट्स को 40 रन से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में बुधवार को राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम 18 ओवर में 119 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से मिचेल मार्श ने फिफ्टी (55 रन) जरूर लगाई, लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। कप्तान ऋषभ पंत, आयुष बडोनी और ऐडन मार्करम खाता तक नहीं खोल सके।

गेंदबाजी में राजस्थान से जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा ने ऑलराउंडर प्रदर्शन करते हुए नाबाद 43 रन बनाए और निकोलस पूरन का अहम विकेट भी लिया।

पहले बैटिंग कर रही राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें मोहसिन खान ने दिग्वेश राठी के हाथों कैच कराया। लखनऊ के लिए गेंदबाजी में मोहम्मद शामी, मोहसिन खान और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए।

जडेजा का ऑलराउंड प्रदर्शन

एक समय राजस्थान के 62 रन पर 4 विकेट गिर गए थे। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए रवींद्र जडेजा ने 2 चौके और एक सिक्स की मदद से 29 बॉल पर नाबाद 43 रन बनाकर टीम का स्कोर 159 तक पहुंचाया। इतना ही नहीं बॉलिंग में उन्होंने सेट बल्लेबाज निकोलस पूरन का विकेट भी लिया।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	6	5	1	11
बेंगलुरु	6	4	2	8
हैदराबाद	7	4	3	8
राजस्थान	6	4	2	8
दिल्ली	6	3	3	6
गुजरात	6	3	3	6
मुंबई	6	2	4	4
चेन्नई	6	2	4	4
लखनऊ	6	2	4	4
कोलकाता	7	1	5	3

ऑरेंज कैप

अभिषेक शर्मा
323 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

अंशुल कंबोज
13 विकेट
चेन्नई

खबर संक्षेप

तमिलनाडु ने महाराष्ट्र को हराया, बना अंडर 19 चैंपियन

देहरादून। शीर्ष वरीयता प्राप्त तमिलनाडु ने यूटीटी अंतरराज्यीय जूनियर एवं युवा राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में महाराष्ट्र को 3-1 से हराकर लड़कों के अंडर19 वर्ग का टीम खिताब जीता। पीबी अभिनंद तमिलनाडु की जीत के नायक रहे। उन्होंने पहले नील मुल्ये को 11-5, 11-3, 7-11, 11-6 से हराया और फिर उलट एकल में कुशल चोपड़ा पर 11-6, 11-6, 11-8 से शानदार जीत दर्ज करके अपनी टीम को खिताब दिलाया। महाराष्ट्र की टीम चोपड़ा पर काफी निर्भर थी क्योंकि उन्होंने इससे पहले टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया था।

बिनु ने बनाया 9 अंडर का स्कोर, हासिल की बढ़त

लुबुम्बाशी। युवा गोल्फर शौर्य बिनु ने अफ्रीकी चरण में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एएम ग्रीन आईजीपीएल आमंत्रण कांगो गोल्फ टूर्नामेंट के दूसरे दौर में 9 अंडर 64 का शानदार स्कोर बनाकर बढ़त हासिल कर ली। यह 21 वर्षीय खिलाड़ी पिछले दो हफ्तों में अफ्रीकी चरण में दो बार शीर्ष 10 में जगह बना चुका है। उन्होंने गोल्फ क्लब लुबुम्बाशी में पहले दौर में एक अंडर 72 के साथ शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने दूसरे दौर में 9 अंडर का शानदार स्कोर बनाया। उन्होंने इससे 36 होल के बाद 10 अंडर पर पहुंच गए। वह चार अन्य चार खिलाड़ियों से दो शॉट आगे हैं। उनके बाद पहले दौर में संयुक्त बढ़त हासिल करने वाले तुषार पन्नू (67-71) और मन्नत बरार (67-71), पिछले सप्ताह के विजेता उदयन माने (70-68) और आर्यन रूपा आनंद (71-67) का नंबर आता है।

आईसीसी रैंकिंग : टी20 में नामीबिया और स्कॉटलैंड के खिलाड़ियों की छलांग, वनडे में बांग्लादेशियों को फायदा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला वनडे मैच 26 रन से गंवाने के बाद दूसरा मुकाबला 6 विकेट से अपने नाम करने के बाद बांग्लादेश ने न सिर्फ तीन मुकाबलों की सीरीज को 1-1 से बराबर किया, बल्कि उसके खिलाड़ियों ने भी व्यक्तिगत प्रदर्शन में काफी सुधार किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ ढाका में खेले गए दूसरे वनडे मैच के बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने आईसीसी मेंस वनडे रैंकिंग में छलांग लगाई है।

तंजीद हसन को वनडे रैंकिंग में फायदा

बांग्लादेशी ओपनर तंजीद हसन उन खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें वनडे रैंकिंग सबसे ज्यादा फायदा मिला। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 199 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 76 रनों की संयमित पारी खेलने के बाद तंजीद बल्लेबाजों की रैंकिंग में 14 पायदान की छलांग लगाकर 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तौहीद हिरदॉय पांच पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 26वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेशी स्पिनर रिशाद 10 पायदान ऊपर चढ़े

इस मुकाबले के साथ बांग्लादेश की गेंदबाजी यूनिट को भी फायदा हुआ। स्पिनर रिशाद हुसैन 10 पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 58वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज नाहिद राणा मैच में 5 विकेट लेने के बाद 32 पायदान की छलांग लगाकर 64वें स्थान पर पहुंच गए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम ने सीरीज में लगातार विकेट लेने वाले प्रदर्शन के बाद रैंकिंग में 39वां स्थान हासिल कर लिया है। भले ही डेरिल मिशेल इस वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उन्होंने इस फॉर्मेट में बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।

लगातार हार के बाद भी फ्रेंच ओपन खेलना चाहती हैं वीनस

मैड्रिड। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी वीनस विलियम्स महिला एकल में लगातार दसवां मैच हारने के बावजूद अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खेलना चाहती हैं। इस 45 वर्षीय खिलाड़ी मैड्रिड ओपन में स्पेन की 20 वर्षीय खिलाड़ी कैटलिन क्वेडो से 6-2, 6-4 से हार गईं।

आईपीएल में दिखा धोनी का बिहारी अंदाज, वायरल हुआ मजेदार वीडियो

एजेंसी ▸▸ मुंबई

फैंस 2026 आईपीएल सीजन में एमएस धोनी को देखने के लिए बहुत ज्यादा उत्साहित लग रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने इस सीजन में अब तक छह मैच खेले हैं, जिनमें से किसी में भी धोनी चोट की वजह से नहीं खेल पाए हैं। हालांकि धोनी असली मैचों में मैदान पर नहीं दिखे हैं, लेकिन प्रैक्टिस सेशन के दौरान वह लगातार मैदान पर नजर आए हैं। इसी बीच, धोनी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह एक खास 'बिहारी' अंदाज़ में बात करते दिख रहे हैं। मुंबई इंडियंस ने धोनी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह एमआई के तेज गेंदबाज़ दीपक चाहर से बात करते दिख रहे हैं। वीडियो में, जैसे ही धोनी की नज़र कैमरे पर पड़ती है, वह अपने जाने-पहचाने बिहारी अंदाज़ में बात करना शुरू कर देते हैं।

धोनी ने क्या कहा

वीडियो में धोनी ने दीपक चाहर से कहा, "तुम आए, और साथ में कैमरा भी ले आए?" जवाब में, चाहर ने कैमरामैन की तरफ मुड़कर कहा, अरे भाई, चलो, अब तुम जाओ।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
कार्यालय कार्यपालन यंत्री (परियोजना) संभाग, सूरजपुर

// आवश्यक सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नयी 33 के.व्ही लाईन गायत्री फीडर जो 220/132/33 के.व्ही. उच्चदाब उपकेन्द्र केशवनगर बिश्रामपुर से एस.ई.सी.एल. गायत्री माईन्स तक गयी है, का कार्य पूर्ण हो गया। यह लाईन ग्राम सतपता से ग्राम डेडरी से ग्राम सपकरा से ग्राम मानी से ग्राम गेतरा से एस.ई.सी.एल. गायत्री माईन्स तक गयी है। इस लाईन में दिनांक 24.04.2026 से कभी भी विद्युत प्रवाह चालू किया जा सकता है।

अत: सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि उक्त नवनिर्मित 33 के.व्ही.लाईन से दूरी बनाकर रखें एवं उक्त लाईन के खंभे, तार एवं स्टे इत्यादि से किसी भी प्रकार से छेड़-छाड़ ना करे अन्यथा किसी भी अप्रिय स्थिति के लिए स्वंय जिम्मेदार होंगे। यह सूचना जनहित में जारी की जाती है।

कार्यपालन यंत्री (परियोजना) संभाग
छ.स्टेट पा. डिस्ट्री.कं. लिमि. सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार खरसिया, जिला रायगढ़ (छ.ग.)

समाचार पत्र में ईश्तहार प्रकाशन बाबत

रा.प्र.क्र.202603041000034/अ-21/2025-26 ग्राम खरसिया, तहसील खरसिया

एतद द्वारा सर्व साधारण ग्राम खरसिया प.ह.नं. 22 तहसील खरसिया को सूचित किया जाता है कि न्यायालय कलेक्टर न्यायालय के रा.प्र.क्र. 202603041000034/अ-19 (2)/2025-26 में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद खरसिया द्वारा पत्र क्रमांक 4215/लेखा./न.पा.प./ 2025-26 दिनांक 20.02.2026 के माध्यम से लेख किया गया है कि नगर पालिका परिषद खरसिया क्षेत्रान्तर्गत यातायात व्यवस्था काके सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से परिषद की पी.आई.सी. बैठक दिनांक 03.11.2025 के प्रस्ताव क्रमांक 08(5) के माध्यम से वार्ड क्रमांक 06 स्थित डा. भीमराव अम्बेडकर कॉम्पलेक्स के सामने स्थित जर्जर भवन को डिस्मेंटल किये जाने तथा उक्त स्थल पर फल मार्केट का निर्माण किये जाने हेतु सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्तानुसार लेख करते हुए उक्त प्रयोजन हेहतु नजूल भूमि ख.नं. 4/1 रकबा 36086 वर्गफुट भूमि पर फल मार्केट निर्माण हेतु नगर पालिका परिषद खरसिया के पक्ष में आबंटित किये जाने हेतु अनुरोध किया गया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। जिसकी सुनवाई तिथि 29.04.2026 को नियत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो अपना दावा आपत्ति स्वयं या अपने मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से पेशी दिनॉक 29.04.2026 तक प्रस्तुत कर सकते है नियत तिथी बांद प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनाँक 17.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार खरसिया

BILASPUR SMART CITY LIMITED
3rd FLOOR, PINGLE BHAWAN, NEHRU CHOWK
Phone No.:07752-222642, Fax: 07752-413888, e-mail: tenders.bscl@gmail.com

तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

No.19/BSCL/2026-27 Bilaspur Dated 07/04/2026

BSCL invites proposal for following work mentioned as below:

NIT No.	Name of work	Bid Due Date
251	स्पोर्टस काम्पलेक्स संजय तरण पुष्कर भूतल पर रेस्टोरेंट स्थापना एवं द्वितीय तल पर मल्टीपरपस हॉल, संचालन एवं संधारण कार्य हेतु निविदा	07/05/2026 IST 02:00 PM

इच्छुक व्यक्ति निविदा में भाग लेने हेतु आवेदन पत्र नगर पालिक निगम के औपचारिक वेबसाईट https://www.bilaspurnagarnigam.com से डाउनलोड करें।

MANAGER
BILASPUR SMART CITY LIMITED

Green City, Clean City, Smart City.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

क्रम सं. (1): ई निविदा संख्याः डीआरएम इंजी. बीएसपी-टी-34-26-27, दिनांक 17-04-2026

कार्यः सहायक मंडल अभियंता/पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत टेंगनमाड़ा, वेंकटनगर, निगौरा और जैतहरी रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्म का ऊँचा उठाना/ उन्नयन।

निविदा मूल्य (रु) : 6,58,71,824.80/-
अमानत राशि (रु) : 13,17,400.00/-
कार्य पूर्णता की अवधि : 18 माह

क्रम सं.(2): ई निविदा संख्याः डीआरएम इंजी. बीएसपी-टी-35-26-27, दिनांक 17-04-2026

कार्यः वरिष्ठ मंडल अभियंता / मध्य / बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत जयरामनगर, गतौरा, घुटकू, कलमीटार, सलकारोड, बेलगहना, टेंगनमाडा, खोंगसरा, खोडरी, हर्री, वेंकटनगर, निगौरा और जैतहरी रेलवे स्टेशन पर एफओबी में सुधार।

निविदा मूल्य (रु) : 4,86,73,771.40/-
अमानत राशि (रु) : 9,73,500.00/-
कार्य पूर्णता की अवधि : 12 माह **निविदा जमा की आरंभ तिथी :** दिनांक 28-04-2026 के 11.00 बजे से। **निविदा जमा की अंतिम तिथि :** दिनांक 12-05-2026 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/54 द.पू.म.रेलवे बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

TRN Energy Pvt. Ltd.
Regd. Office: 18 VasantaEnclave, Rao Tula Ram Marg, New Delhi – 110057
Corporate Office: 7th Floor, Corporate Tower, Ambience Mall NH-8, Gurgaon-122002 (Haryana), Ph: 0124-2719000,Fax: 0124-2719185
Email: trnenergy@acbindia.com; info@trnenergy.com

Invitation of Bids

Date: 22/04/2026

TRN Energy Pvt. Ltd. is having 2x300MW Coal based Thermal Power Plant located near Vill: Bhengari, PO:-Nawapara (Tenda), Tehsil: Gharghoda, Dist: Raigarh in the state of Chhattisgarh. The plant site is well connected with Road Network. Nawapara (Tenda) is on Chhal-Gharghoda road and very near to the plant. The place is around 42KM away from Raigarh and 32KM away from Kharsia, which are the nearest towns.

M/s TRN Energy Pvt. Ltd. invites bids from reputed and experienced vendors for the below mentioned works:

SI.No.	Description of the Job	Tender ID	Last date of Bid submission
1	Repairing of Coal & ash transportation road at 2x300MW TRN Energy TPP	1058	30/04/2026 upto 14:00 Hrs

Details of the scope of work, Terms and conditions are furnished in the NIT document.

Please visit web site https://eprocurement.mjunction.in/epspropartner/openarea/tender-list and refer respective tender ID for qualifying criteria and other details.

Contact details:
Name: Sunil Kumar
Contact No. 9868392867
Email Id: sunil.kumar@acbindia.com

IN THE HON'BLE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR

CAVEAT APPLICATION NO. / 2026
WP (C) NO. /2026

CAVEATOR [PROPOSED RESPONDENT] : SOUTH EASTERN COALFIELDS LIMITED THROUGH GENERAL MANAGER, RAIGARH AREA

VERSUS

NON-CAVEATOR [PROPOSED PETITIONER/S] : TO GENERAL PUBLIC/ALL THE CONCERNED PEOPLE TO WHOM IT MAY RELATE

CAVEAT UNDER SECTION 148-A OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE, 1908

The caveator named above begs to submit as under:

1. That, it is submitted that a Public Hearing is being conducted, on the date 19.05.2026 at 11:00 AM at Atal Chowk, Village Pelma, Tehsil Tamnar, District Raigarh, by the Chhattisgarh Environment Protection Board in compliance with the Notification dated 14.09.2006 issued by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India (copy enclosed), for the purpose of obtaining Environmental Clearance for Pelma OCP (15 MTPA) within the mining lease area of 2077.934 hectares. Copy of the notification dated 15.04.2026 and the newspaper cutting has been collectively attached herewith as **Annexure C-1(Colly.).**
2. That, the Caveator is required to obtain Environment Clearance (EC) from MOEF&CC for commencement of the project. And the caveator has come to learn and apprehends that some private persons/people/ groups/groups of people or registered/non-registered group may challenge the above mentioned Public Hearing which is being conducted and may approach this Hon'ble Court by way of a Writ Petition under Article 226 of the Constitution of India or by way of filing of Public Interest Litigation, seeking to challenge the validity, fairness, or rationality of the said Public Hearing thereunder or to stall or cancel the same along-with application for grant of interim relief/stay. In such event, notice be given **"Chetan Singh Chauhan, Advocate,** R-9/21 Rama Valley, Bodri Bilaspur (C.G.), Contact: 8280810559, so that the interest of the caveator may be duly safeguarded.
3. That, the copy of the notice of this caveat has been published in the newspaper circulated in the area. Copy of the paper cutting of the said publication has been attached herewith as **Annexure C-2.**

PRAYER

The Caveator most respectfully prays that this Hon'ble Court may graciously take this Caveat on record and be pleased not to pass any ex-parte or interim order in any proceeding concerning the said actions of the SECL without affording the Caveator an opportunity of hearing.

BILASPUR (C.G.)
DATE : . .2026

(CHETAN SINGH CHAUHAN)
COUNSEL FOR THE CAVEATOR/ PROPOSED RESPONDENT

TRN ENERGY PRIVATE LIMITED
Regd. Office: 18 Vasant Enclave, Rao Tula Ram Marg, New Delhi – 110057
Corporate Office: 7th Floor, Corporate Tower, Ambiance Mall NH -8, Gurugram–122002 (Haryana), PH: 0124–2719000, Fax: 0124–2719185
Email: trnenergy@acbindia.com; info@trnenergy.com

INVITATION OF BIDS

SUBJECT: AOH OF BOIER PRESSURE PARTS, RAPH, BOILER DUCTS, BOILER FANS, ESP AND TG BEARING INSPECTION OF UNIT #1 OF 2X300 MW TRN, DATE: 17.04.2026

TRN ENERGY PRIVATE LIMITED is having 2x300 MW coal based Thermal Power Plant located near Vill: Bhengari, PO : Nawapara (Tenda), Tehsil : Gharghoda, Dist: Raigarh in the state of Chhattisgarh. The Plant Site is well connected with Road Network, Nawapara (Tenda), is on Chhal – Gharghoda road and very near to the plant. The place is around 42 KM away from Raigarh and 32 KM away from Kharsia, which are the nearest towns.

M/s TRN Energy private limited. Invites bids from reputed and experienced vendors for AOH OF boiler pressure parts, RAPH, boiler ducts, boiler fans, ESP and TG bearing inspection of unit #1 2X 300 MW TPP, detail of which are furnishedhttps://eprocurement.mjunction.in/epspropartner/product/login-screenpage auction.

SL.	Description	Tender ID NO	Last submission date
1	AOH of Boiler Pressure Parts of unit #1	Tender ID - 1063	27.04.2026
2	AOH of Boiler RAPH of unit #1	Tender ID - 1062	27.04.2026
3	AOH of Boiler Ducts of unit #1	Tender ID - 1061	27.04.2026
4	AOH of Boiler Fans of unit #1	Tender ID - 1060	27.04.2026
5	TG bearing inspection of unit #1	Tender ID - 1059	27.04.2026
6	AOH of Boiler ESP and bag house of unit #1	Tender ID - 1064	30.04.2026

Refer tenderids for qualifying criteria and for further details on or before last submission dates @ 14:00 hrs.
Contact details:
Name: Sunil Kumar
Contact No: 9868392867
Email ID: sunil.kumar@acbindia.com

इस पहाड़ी पर बसा है दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर

डिजिटल दौर ने भले ही दुनिया को स्क्रीन तक समेट दिया हो, लेकिन कुछ भावनाएं आज भी कागज और स्याही में ही पूरी तरह उतरती हैं। चिट्ठी पर लिखे शब्द लंबे समय तक लोगों के दिनों में बसे रहते हैं।

दुनिया का सबसे ऊंचा ऑपरेशनल पोस्ट ऑफिस होने के कारण यह पर्यटकों के लिए भी खास आकर्षण का केंद्र बन चुका है

नई दिल्ली। यही वजह है कि तकनीक के इस तेज समय में भी देश के कई कोनों में खत आज भी रिश्तों की डोर को थामे हुए हैं। खासतौर पर वहां, जहां नेटवर्क की पहुंच की आज भी कमी है।

आज हम आपको एक अनोखे डाकघर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दुनिया का सबसे ऊंचाई पर स्थित सक्रिय पोस्ट ऑफिस है। हिमाचल प्रदेश के स्पीति क्षेत्र के हिक्किम गांव में स्थित यह डाकघर समुद्र तल से करीब 14,567 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है।

बर्फीली ऊंचाइयों पर बसा डाकघर

यहां पहुंचना ही अपने आप में एक चुनौती है, क्योंकि कम ऑक्सीजन और कठिन मौसम हर कदम पर परीक्षा लेते हैं। इसके बावजूद साल 1983 से यह डाकघर लगातार अपनी सेवा दे रहा है। बर्फीली हवाओं और दुर्गम रास्तों के बीच भी यहां से भेजी गई हर चिट्ठी अपने साथ भावनाएं और संदेश लेकर निकलती है।

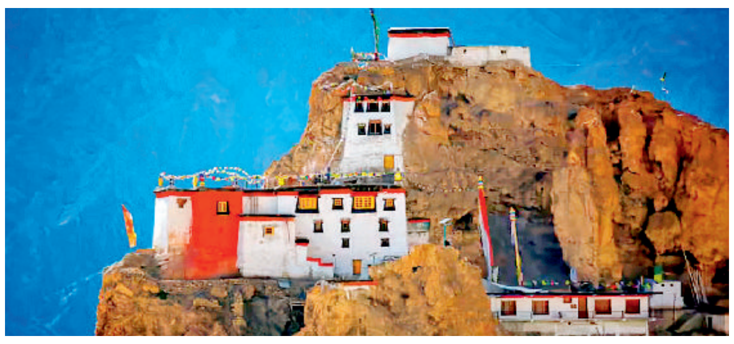

गांवों की जीवनरेखा बनी चिट्ठियां

हिक्किम का यह डाकघर केवल एक गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के कई दूरस्थ इलाकों तक अपनी पहुंच बनाए हुए है। लांगचा-1, लांगचा-2 और कॉमिक जैसे गांव आज भी चिट्ठियों के जरिए ही दुनिया से जुड़े हैं। स्पीति घाटी के रास्ते साल में सिर्फ कुछ महीनों के लिए ही खुले रहते हैं, जून से अक्टूबर के बीच। सर्दियों में बर्फ की मोटी चादर पूरे इलाके को ढक लेती है, जिससे संपर्क लगभग टूट जाता है। ऐसे में यह डाकघर लोगों के लिए एक उम्मीद बनकर सामने आता है।

क्या बनाता है इसे खास?

इस डाकघर की सबसे बड़ी खासियत इसकी ऊंचाई ही नहीं, बल्कि इसकी निरंतर सेवा है। दुनिया का सबसे ऊंचा ऑपरेशनल पोस्ट ऑफिस होने के कारण यह पर्यटकों के लिए भी खास आकर्षण का केंद्र बन चुका है। यहां आने वाले लोग अक्सर अपने दोस्तों और परिवार को पोस्टकार्ड भेजते हैं, जिस पर लगी खास मोहर इस अनुभव को यादगार बना देती है। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो जाते हैं और डाक सेवा भी कुछ समय के लिए ठहर जाती है।

रोचक खबरें

वैज्ञानिकों ने बना लिया प्यार बटन! अब समझ में आएगा दिल का असली कनेक्शन

न्यूयार्क। क्या प्यार सिर्फ दिल का मामला है। या फिर दिमाग के किसी कोने में छिपा एक स्विच? जरा सोचिए कि आप एक लेजर लाइट ऑन करते हैं और तुरंत दिमाग में भरोसा और लगाव की फीलिंग्स एक्टिव हो जाती है।

विज्ञान की दुनिया में यह अब यह सिर्फ एक कल्पना नहीं, हकीकत बनने जा रही है। यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड के वैज्ञानिकों ने ऑक्सीटोसिन यानी लव हार्मोन को कंट्रोल करने वाला एक ऐसा लाइट स्विच तैयार कर लिया है। जो इंसानी रिश्तों और फीलिंग्स के सबसे गहरे राज से पर्दा उठा सकता है। इस तकनीक को साइंस की दुनिया में फोटोकेजिंग कहते हैं, इस आप इस तरह से आसानी से समझ सकते हैं- वैज्ञानिकों ने ऑक्सीटोसिन हार्मोन के साथ एक प्रकाश-संवेदनशील केमिकल ग्रुप जोड़ दिया है। जो इसे लॉक करता है।यानी हार्मोन दिमाग में मौजूद तो रहता है। लेकिन. कोई काम नहीं करता है। जैसे ही एक खास वेवलेंथ की लेजर लाइट इस पर पड़ती है। वह केमिकल पिंजरा टूट जाता है और ऑक्सीटोसिन तुरंत एक्टिव हो जाता है। इस तकनीक की सबसे बड़ी खास बात है। इसकी सटीकता। वैज्ञानिक अब दिमाग के किसी एक खास हिस्से या न्यूरॉन में ही इस हार्मोन को एक्टिव कर सकेंगे। ऑक्सीटोसिन हमारे व्यवहार का आधार होता है। फिर वह चाहे रोमांस हो, दोस्ती हो या मां-बच्चे का लगाव, यही हार्मोन भरोसा और फीलिंग्स जगाता है। अब तक वैज्ञानिकों के लिए यह समझना मुश्किल था कि दिमाग का कौन सा हिस्सा किस फीलिंग्स के लिए जिम्मेदार है। क्योंकि, यह हार्मोन पूरे दिमाग में फैल जाता था. लेकिन इस नई लाइट स्विच टेक्नोलॉजी से अब यह देखा जा सकेगा कि एक खास न्यूरॉन के एक्टिव होने पर इंसान के व्यवहार में क्या बदलाव आता है।

मुर्दों के मुंह में सोने की जुबान? मिस्र की प्राचीन कब्र में मिला खौफनाक खजाना

काहिरा। मिस्र के अल-बहांसा इलाके में रेत के नीचे दबी एक 'मुर्दों की बस्ती' ने वैज्ञानिकों की नींद उड़ा दी है। हजारों साल पुरानी कब्रों को जब खोला गया, तो उनके अंदर से ऐसी ममी निकलीं, जिनकी जुबान सोने की बनी हुई थी। यह कोई इत्तेफाक नहीं, बल्कि एक बेहद डरावना और रहस्यमयी प्राचीन रिवाज था, जिसमें मरने वाले की असली जुबान काटकर उसकी जगह सोने की जीभ लगा दी जाती थी, ताकि वह परलोक में देवताओं से बात कर सके. मिस्र के काहिरा से करीब 120 मील दक्षिण में स्थित मिन्या प्रांत के इस ऐतिहासिक स्थल पर हुई खोज ने विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया है। यहां मिले अवशेष रोमन काल के बताए जा रहे हैं, जो लकड़ी के ताबूतों में बंद थे और उन पर ज्यामितीय आकृतियों वाले कीमती कपड़े लिपटे हुए थे।

देवताओं से बात करने का सुनहरा रास्ता : यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना और इंस्टीट्यूट ऑफ द एंशिएंट नियर ईस्ट के शोधकर्ताओं के अनुसार, इन ममी के मुंह के अंदर तीन सोने की और एक तांबे की जुबान मिली है। प्राचीन मिस्र की मान्यताओं के अनुसार, मौत के बाद की दुनिया यानी आफ्टरलाइफ में सफर करना बेहद कठिन होता था। माना जाता था कि अगर किसी मृतक के मुंह में सोने की जीभ होगी, तो वह पाताल के देवता 'ओसिरिस ' से बात कर पाएगा। ओसिरिस को मृत्यु का देवता और पाताल का राजा माना जाता था। प्राचीन लोगों का विश्वास था कि सोने की जुबान होने से मृतक देवता को अपनी बेगुनाही का सबूत दे सकेगा और परलोक में शांति से रह पाएगा।

चिंता

अल नीनो की आशंका ने डराया मचा सकता है 1876 से ज्यादा तबाही

जब खत्म हो गई थी दुनिया की 4% आबादी

वॉशिंगटन। दुनिया पर आने वाले कुछ महीनों में ऐसी प्राकृतिक आपदा का संकट गहरा रहा है, जो भारी तबाही की वजह बन सकता है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि अगले साल, 2027 में शक्तिशाली अल नीनो बड़े पैमाने पर नुकसान कर सकता है। अनुमानों से पता चलता है कि यह 1877-78 के विनाशकारी अल नीनो से ज्यादा बर्बादी ला सकता है। यह दुनिया के बड़े हिस्से में सूखे और अकाल जैसी स्थिति की वजह बन सकता है। इससे भारत भी काफी हद तक प्रभावित हो सकता है।

करीब 150 साल पहले 1877-78 में आए अल नीनो ने दुनिया के बड़े हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ी थी। लंबे समय तक सूखा रहा था और फसलों की बर्बादी से अकाल पड़ा था। उस समय इतने बड़ी तादाद में मौतों हुई थीं कि दुनिया की कुल आबादी का फीसदी खत्म हो गया था।

भारत पर क्या होगा असर?

अल नीनो का भारत पर सीधा असर होगा। भारत की कृषि और जल संसाधन मानसून पर निर्भर करती है। अल नीनो इस पर सीधा असर डालेगा। इससे उत्तरी, मध्य और पूर्वी भारत में भयंकर और लंबे समय तक लू चल सकती है। साथ ही मॉनसून के मौसम में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस घटना से फसलों की पैदावार कम हो जाएगी और और खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ जाएंगे। जलवायु परिवर्तन के चलते भारत में पहले ही तापमान बढ़ रहा है। अल नीनो की वजह से गर्मी और ज्यादा बढ़ जाएगी। इससे मौसम की स्थिति ऐसी हो जाएगी कि अकाल जैसी सूरत बन सकती है।

मौसम में क्या बदलाव हो रहा है?

प्रशांत महासागर का अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं का कहना है कि हाल के मॉडल रन समुद्र की सतह के तापमान में तेजी से वृद्धि दिखा रहे हैं। यह अल नीनो के बनने का सबसे खास संकेत है। इस तीव्रता ने वैज्ञानिकों को चिंतित किया है क्योंकि मौजूदा रुझान जारी रहते हैं तो एक 'मेगा' या 'सुपर' अल नीनो बन सकता है। अल नीनो का बनना, खासतौर से मेगा या सुपर अल नीनो वैश्विक मौसम प्रणालियों को बहुत ज्यादा बाधित करेगा। ऐसी घटना चल रहे जलवायु परिवर्तन के साथ मिलकर 2027 तक वैश्विक तापमान को नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा सकती है। तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाने से सूखा पड़ेगा और दुनियाभर में खाद्यान्न का संकट गहरा जाएगा।

अल नीनो क्या है?

अल नीनो, अल नीनो-दक्षिणी दोलन चक्र का एक हिस्सा है। यह तब होता है, जब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। यह गर्मी वायुमंडलीय परिसंचरण के पैटर्न को बदल देती है। इससे मानसून प्रणालियां कमजोर हो जाती हैं और गर्मी का प्रकोप बहुत तेजी से बढ़ जाती है। गर्मी के बढ़ने से महाद्वीपों में वर्षा का वितरण बदल जाता है। अल नीनो की शुरुआत प्रशांत महासागर में होती है, लेकिन इसके प्रभाव पूरी दुनिया में होते हैं। इससे भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिणी और मध्य अफ्रीका, और अमेजन बेसिन में भीषण गर्मी और जंगल की आग का सामना करना पड़ेगा। दूसरी ओर अमेरिका के कुछ हिस्सों- विशेष रूप से दक्षिणी भाग में भारी वर्षा और बाढ़ आ सकती है। उत्तरी अमेरिका में ज्यादा गर्मी देखने को मिल सकती है। समुद्र की सतह के तापमान में तेज वृद्धि हो रही है। यह अल नीनो के बनने का संकेत है, जो 2027 तक वैश्विक तापमान को नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा

समंदर में बसती है एक पूरी दुनिया, जानिए पानी में रहने वाले इंसानों की कहानी

जकार्ता। क्या आपने कभी ऐसी जिंदगी की कल्पना की है, जहां जमीन सिर्फ एक दूर की चीज हो और असली घर लहरों के बीच बसता हो? जहां न कोई पक्का पता हो, न सीमाओं का बंधन और न ही किसी एक देश से जुड़ी पहचान। यह कहानी है बजाऊ समुदाय की उन लोगों की, जिनकी दुनिया समंदर से शुरू होकर उसी में खत्म हो जाती है। इन्हें आज भी धरती के आखिरी असली समुद्री खानाबदोशों में गिना जाता है। इनकी जिंदगी का हर पल पानी के साथ जुड़ा होता है। जन्म से लेकर बड़े होने तक, हर अनुभव लहरों के बीच ही बुना जाता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें कुछ लोग बिना किसी आधुनिक उपकरण या ऑक्सीजन सिलेंडर के गहरे समुद्र में बेहद सहजता से गोता लगाते दिखाई दे रहे हैं। यह नजारा हैरान करने वाला है।

नावों को ही बना लेते हैं स्थायी घर

ये लोग इंडोनेशिया और मलेशिया के बीच फैले समुद्री क्षेत्रों में रहने वाले बजाऊ समुदाय के सदस्य हैं। इनके घर जमीन पर नहीं, बल्कि पानी के ऊपर खंभों पर टिके लकड़ी के ढांचों में बने होते हैं, या फिर कई परिवार नावों को ही अपना स्थायी घर बना लेते हैं। लहरों के साथ बहती यही दुनिया इनके लिए पूरी जिंदगी है। इस समुदाय की सबसे अलग बात यह है कि इनका किसी एक देश से स्थायी रिश्ता नहीं होता। पीढ़ियों से ये लोग समुद्र में ही रहते आ रहे हैं।

वो देश, जहां मोटी लड़कियों को कहते हैं हॉट, दुबली लड़कियां होती हैं बदसूरत

नौआकचोट। दुनिया भर में खूबसूरती के मानक अलग-अलग हैं। जहां ज्यादातर देशों में पतली कमर और दुबला-पतला शरीर को आकर्षक माना जाता है, वहीं अफ्रीका के मॉरिटानिया में ठीक उल्टा है। यहां जितनी ज्यादा चर्बी, उतनी ज्यादा खूबसूरती। इस देश में मोटी लड़कियों को 'हॉट' और आकर्षक कहा जाता है, जबकि दुबली-पतली लड़कियों को बदसूरत समझा जाता है।

ठूंसकर खिलाते हैं खाना : मॉरिटानिया देश में इस प्रथा का नाम है 'लेब्लौह' या 'गेवाज। लेब्लौह प्रथा मुख्य रूप से मॉरिटानिया के ग्रामीण इलाकों में प्रचलित है। यहां पांच से उन्नीस साल की लड़कियों को खास 'मोटा बनाने वाले फार्म' या घर पर ही जबरन खाना खिलाया जाता है। कैमल मिल्क, कूसकूस, पीनट ऑयल, मक्खन और शुद्ध जानवरों की चर्बी से बने भोजन से एक दिन में 10,000 से 16,000 कैलोरी तक खिलाई जाती है।

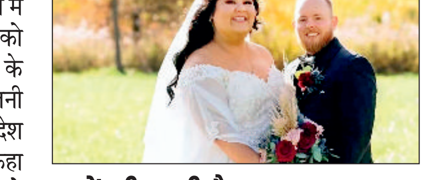

क्यों की जाती है यह प्रथा?

मॉरिटानिया की पारंपरिक मूर समाज में मोटापन धन, समृद्धि और सामाजिक स्थिति का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि अगर पत्नी मोटी है तो इसका मतलब है कि पति उसे अच्छा खिला-पिला सकता है। पतली महिला को गरीबी या पति की असमर्थता का संकेत समझा जाता है। इसलिए, लड़कियों को कम उम्र में ही मोटा बनाकर शादी के योग्य बनाया जाता है। स्थानीय कहावत भी यही कहती है कि 'पत्नी अपने पति के दिल में उतनी जगह घेरती है, जितनी जगह वह उसके बिस्तर पर घेरती है।' इस प्रथा की वजह से कई लड़कियों की जल्दी शादी कर दी जाती हैं, क्योंकि मोटा शरीर उन्हें उम्र से ज्यादा परिपक्व दिखाता है।

सिंगल लोगों में सबसे ज्यादा कैंसर का रिस्क

वॉशिंगटन। अगर आप सिंगल हैं या आप आजीवन शादी नहीं करना चाहते हैं, तो ये खबर आपको बड़ा झटका दे सकती है। हाल ही में सामने आई एक स्टडी में पाया गया कि जो एडल्ट सिंगल हैं या जिन्होंने कभी शादी नहीं की उनमें शादीशुदा या विवाहित रह चुके लोगों के मुकाबले कैंसर होने की संभावना काफी ज्यादा होती है। इसको लेकर अमेरिका की 'मियामी यूनिवर्सिटी' की ओर से रिसर्च की गई. यह रिसर्च 'कैंसर रिसर्च कम्युनिकेशंस' नाम की एक मैगजीन में पब्लिश हुई है।

सिंगल लोगों में कैंसर का ज्यादा खतरा : शोधकर्ताओं ने साल 2015- 2022 के बीच अमेरिका के 12 राज्यों में दर्ज किए गए 4 मिलियन से ज्यादा कैंसर के मामलों का विश्लेषण किया. उन्होंने पाया कि अविवाहित पुरुषों में कैंसर की घटना विवाहित या पहले विवाहित रह चुके लोगों के मुकाबले 68 प्रतिशत ज्यादा थी। वहीं, अविवाहित महिलाओं में इसकी दर 85 प्रतिशत ज्यादा थी। हालांकि, वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि केवल मैरिड लाइफ कैंसर से आपकी बचाव नहीं करती है, बल्कि आपकी लाइफस्टाइल और सोशल फैक्टर्स इसपर ज्यादा भूमिका निभाते हैं।

ध्यान देना बेहद जरूरी : रिसर्च के मुताबिक अविवाहित पुरुषों में गुदा कैंसर होने की दर विवाहित या पहले विवाहित पुरुषों के मुकाबले 5 गुना ज्यादा थी। वहीं, अविवाहित महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर होने की संभावना तकरीबन 3 गुना ज्यादा था। वहीं, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर के अंतर में भी काफी कमी थी।

कैंसर का जोखिम

रिसर्च के लेखकों में से एक क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट फ्रैंक पेनेडो ने कहा,' इसका मतलब यह है कि अगर आप अविवाहित हैं, तो आपको कैंसर के रिस्क फैक्टर्स पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए, जरूरी जांच करवानी चाहिए और स्वास्थ्य देखभाल के बारे में नई जानकारी रखनी चाहिए।' स्मोकिंग, लंबे समय से चल रहा तनाव और प्रजनन इतिहास जैसे कैंसर के कुछ रिस्क फैक्टर्स मैरिड लाइफ से जुड़े हुए हैं। यह भी संभव है कि हेल्दी लोग स्वाभाविक रूप से शादी करने की ज्यादा संभावना रखते हों। बता दें कि रिसर्च के लिए इस शोध में साथ रहने वाले अविवाहित जोड़ों को सिंगल वाली श्रेणी में ही रखा गया है।

आस्था

जहां समुद्र देव स्वयं करते हैं जलाभिषेक

समंदर के बीच बसा 5 हजार साल पुराना शिवालय

नई दिल्ली। देवों के देव महादेव की लीला न्यारी है। दुनिया भर में कई स्थानों पर उन्हें समर्पित मंदिर फैले हुए हैं। जो काफी अद्भुत भी हैं। ऐसा ही अद्भुत, अविश्वसनीय शिवालय गुजरात के द्वारका में स्थित है, जो समंदर के बीच बसा है और लगभग 5000 साल पुराना है। इस मंदिर की खास बात है कि स्वयंभू शिवलिंग का जलाभिषेक करने के लिए समुद्र खुद महादेव के दरबार में आते हैं। गुजरात के शहर द्वारका के पश्चिमी छोर पर अरब सागर में तीन तरफ से घिरा प्राचीन शिव मंदिर, जो आस्था और प्रकृति के अनोखे मिलन का प्रतीक है। यह है श्री भड़केश्वर महादेव मंदिर, जहां भगवान शिव का स्वयंभू शिवलिंग स्थापित है। माना जाता है कि यह शिवलिंग करीब 5,000 वर्ष पहले समुद्र से प्रकट हुआ था।

सूर्यास्त के समय अविस्मरणीय दृश्य: मंदिर एक छोटी पहाड़ी पर बना है, जो समुद्र में निकली हुई है। चारों तरफ लहरें टकराती रहती हैं, जिससे यह जगह और भी दिव्य लगती है। रास्ते में जाते समय दोनों तरफ समुद्र की लहरें और बायें ओर लाइटहाउस का नजारा मन को मोह लेता है। जब सूरज की सुनहरी किरणें मंदिर पर पड़ती हैं, तब नजारा देखने लायक होता है। सूर्यास्त के समय यहां का दृश्य अविस्मरणीय हो जाता है। सबसे रोचक बात यह है कि हर साल मानसून के दौरान जून-जुलाई के मौसम में समुद्र का ज्वार बढ़ता है और मंदिर उसी में समा जाता है। कुछ देर के लिए पूरा मंदिर समुद्र में डूब जाता है। ऐसा लगता है मानो समुद्र स्वयं भगवान शिव का पवित्र अभिषेक कर रहा हो। ज्वार कम होने पर पानी पीछे हट जाता है और मंदिर फिर से साफ-सुथरा और चमकता हुआ दिखाई देता है।

आस्था, इतिहास और प्रकृति के अद्भुत संगम का प्रतीक

भड़केश्वर महादेव मंदिर आस्था, इतिहास और प्रकृति के अद्भुत संगम का प्रतीक है। यहां आने वाले भक्तों को शांति के साथ-साथ एक अनोखा प्राकृतिक चमत्कार भी देखने को मिलता है। हालांकि, ध्यान रखें कि ज्वार के समय रास्ता पानी से भर सकता है, इसलिए सूर्यास्त के आसपास जाना बेहतर रहता है। भड़केश्वर मंदिर से कुछ ही दूरी पर द्वारकाधीश मंदिर, गीता मंदिर और रुक्मिणी मंदिर जैसे अन्य धार्मिक स्थल भी हैं। मंदिर ट्रेन से पहुंचने के लिए सबसे पहले द्वारका रेलवे स्टेशन पर उतरें. स्टेशन से मंदिर लगभग 2 किलोमीटर दूर है। ऑटो, टैक्सी या बस से आसानी से पहुंचा जा सकता है।यहां से सबसे पास एयरपोर्ट जामनगर और पोरबंदर हैं। वहां से सड़क मार्ग या रेल से द्वारका पहुंचकर मंदिर जा सकते हैं।

भड़केश्वर महादेव मंदिर

पारंपरिक कहानी है कि भगवान शिव ने स्वयं इस शिवलिंग के रूप में समुद्र में प्रकट होकर अपनी उपस्थिति दर्ज की थी। मंदिर का निर्माण प्रसिद्ध जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने गोमती नदी, गंगा और अरब सागर के संगम स्थल पर करवाया था। द्वारका के सबसे प्रतिष्ठित शिव मंदिरों में शामिल भड़केश्वर महादेव मंदिर न केवल आध्यात्मिक शांति देता है, बल्कि अपनी ऊंची जगह से समुद्र तट का खूबसूरत नजारा भी प्रस्तुत करता है।

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :